केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

मुश्किल समय आपको मजबूत बनाता है, मगर तब जब आप हार न माने

वर्ष : 16 अंक : 307 | उज्जैन, रविवार 19 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

जनगणना एक राष्ट्रीय कार्य, इसमें सबका सक्रिय सहयोग बेहद जरूरी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी नागरिकों से किया राष्ट्रीय जनगणना कार्य को सफल बनाने का आह्वान

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश की जनसंख्या के आंकड़े ही केंद्र सरकार द्वारा नीति निर्माण एवं मानव संसाधन के नियोजन का पहला आधार होते हैं। देश की आबादी की गणना के लिए राष्ट्रीय जनगणना-2027 का कार्य आगामी एक मई से आरंभ होने जा रहा है। यह एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। इसमें सभी का सक्रिय सहयोग बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनता के नाम एक अपील संदेश भी जारी कर आहवान किया है कि प्रदेश के सभी नागरिक अपनी सहभागिता से इस पुनीत राष्ट्रीय कार्य को सम्पन्न कराने में सहयोग दें। संदेश में उन्होंने कहा है कि प्रदेश में एक मई 2026 से प्रारंभ हो रहे जनगणना-2027 के पहले चरण, मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य एक राष्ट्रीय दायित्व है। राज्य का प्रत्येक नागरिक पूर्ण निष्ठा और सक्रिय सहयोग के साथ इस कार्य को सफल बनाये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जनसामान्य की सुविधा के लिए स्व-गणना का विकल्प भी ऑनलाईन उपलब्ध कराया गया है। इसमें कोई भी नागरिक 16 से 30 अप्रैल 2026 के बीच http://se.census.gov.in पोर्टल पर अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी प्रदेशवासियों की सहभागिता प्रदेश और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। उन्होंने राज्य के प्रत्येक नागरिक से स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार की सही और पूर्ण जानकारी प्रदान करने की अपेक्षा भी की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा ?कि मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के इस अभियान में सभी शासकीय अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक अपने-अपने स्तर पर पूरी निष्ठा, समर्पण, उत्तरदायित्व एवं सहयोग की भावना से इस देशव्यापी राष्ट्रीय अभियान में सहभागिता सुनिश्चित करें। आधुनिक डिजिटल तकनीकों का अधिकतम उपयोग हो रहा जनगणना में- भारत की जनगणना विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक एवं सांख्यिकीय प्रक्रियाओं में से एक है। वर्तमान शताब्दी की तीसरी जनगणना वर्ष 2027 में संपादित की जानी है, जो राष्ट्र एवं राज्य के भावी विकास के लिए आधारभूत और विश्वसनीय जन

सांख्यिकीय आंकड़े उपलब्ध कराएगी। जनगणना 2027 की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इस बार की जनगणना में आधुनिक डिजिटल तकनीक का व्यापक स्तर पर उपयोग किया जा रहा है। पहली बार बड़े पैमाने पर मोबाइल ऐप आधारित डेटा संकलन किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एलओसी पर बारूदी सुरंग में धमाका, सेना का जवान गंभीर रूप से घायल

नई दिल्ली/ जीएनएस। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिला पुंछ के मेंढर तहसील के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के नजदीक शनिवार को गश्त के दौरान बारूदी सुरंग के विस्फोट में सेना का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसे तत्काल सैन्य चिकित्सा केंद्र में प्राथमिक उपचार दिया गया, जहां से हालत गंभीर देखते हुए उसे राजौरी के सैन्य अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालाकोट क्षेत्र में एलओसी पर तैनात भारतीय सेना की एक टुकड़ी नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान हवलदार शिव सिंह, जो जेक राइफल्स के जवान हैं, का पैर गश्ती मार्ग पर बिछाई गई बारूदी सुरंग पर पड़ गया। जैसे ही उनका पैर सुरंग पर पड़ा, जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। विस्फोट के बाद मौके पर मौजूद अन्य सैनिकों ने तुरंत स्थिति को संभालते हुए घायल जवान को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। उन्हें तत्काल सैन्य मुख्यालय के चिकित्सा केंद्र में ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार दिया गया। डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर पाते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए राजौरी स्थित सैन्य अस्पताल भेज दिया। फिलहाल वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, घायल जवान को विस्फोट में गंभीर चोटें आई हैं, हालांकि उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षा के लिहाज से बड़ी संख्या में बारूदी सुरंगें बिछाई जाती हैं, ताकि घुसपैठ की कोशिशों को रोका जा सके। लेकिन कई बार प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण ये सुरंगें अपने स्थान से खिसक जाती हैं, जिससे खतरा और बढ़ जाता है। विशेष रूप से तेज बारिश के बाद ऐसी घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। बारिश के दौरान पानी के तेज बहाव के कारण बारूदी सुरंगें अपनी मूल स्थिति से हटकर आगे-पीछे हो जाती हैं, जिससे गश्त कर रहे सैनिकों और स्थानीय लोगों के लिए खतरा उत्पन्न हो जाता है।

सपा के पीडीए समीकरण की काट बनेगा भाजपा का नया समीकरण, पूर्वांचल पर होगा तगड़ा असर

कुशीनगर/ जीएनएस। बिहार में सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाकर भाजपा ने पूर्वांचल की जातिगत राजनीति में भी नया समीकरण तैयार किया है। उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े गैर-यादव पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में से एक कुशवाहा समाज (मौर्य, शाक्य, सैनी, कोइरी) सत्ता कब्जाने में निर्णायक भूमिका निभाता है। प्रदेश में इनकी संख्या जहां 8.5 से 9 प्रतिशत है, वहीं पूर्वांचल के कुशीनगर, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, मिर्जापुर, गोरखपुर में यह छह से 12 प्रतिशत हैं। कई विधानसभा सीटों पर इस समाज के 30 से 50 हजार मतदाता हैं, जिनका रुख हार-जीत तय करता है। राष्ट्रीय-कुशवाहा-शाक्य-सैनी-मौर्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एनपी कुशवाहा बताते हैं कि कुशवाहा (कोइरी) समाज से आने वाले सम्राट चौधरी की बिहार में ताजपोशी का पूर्वांचल सहित पूरे यूपी पर असर दिखेगा। यह सपा के 'एमवाई' (मुस्लिम-यादव) या पीडीए समीकरण का काट बनेगा। आंकड़े बताते हैं कि 2024 के लोकसभा और 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद पूर्वांचल और उत्तर प्रदेश में कुशवाहा समाज का प्रतिनिधित्व काफी मजबूती से उभरा है। लोकसभा चुनाव 2024 में पूर्वांचल और आसपास के क्षेत्रों से कुशवाहा समाज के कई प्रमुख चेहरे संसद पहुंचे हैं, जिनमें सपा से जौनपुर के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा, बिहार से सटे सीमावर्ती क्षेत्र काराकाट से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के सांसद राजा राम कुशवाहा और पूर्वांचल की राजनीति में प्रभाव रखने वाले बिहार नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार आदि के चेहरे शामिल हैं।

पश्चिम एशिया युद्ध के चलते हुआ महंगा समुद्री बीमा, कैबिनेट ने मरीन इंश्योरेंस पूल को दी मंजूरी

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में भारत मरीन इंश्योरेंस पूल की स्थापना को मंजूरी दे दी गई है।

इस पूल के लिए सरकार 12,980 करोड़ रुपये का सॉवरेन गारंटी फंड उपलब्ध कराने का फैसला किया है। यह फैसला समुद्री बीमा क्षेत्र में भारत की स्वदेशी क्षमता बढ़ाने और विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

पश्चिम एशिया में चल रहे सशस्त्र संघर्ष ने वैश्विक समुद्री परिवहन को बुरी तरह प्रभावित किया है। नतीजतन, समुद्री बीमा प्रीमियम में भारी वृद्धि हो गई है। भारतीय जहाजों, कार्गो और क्रू के लिए बीमा उपलब्ध कराना बेहद मुश्किल और महंगा हो गया था। विदेशी इंश्योरेंस कंपनियां या तो मना कर रही थीं या बहुत ऊंचे प्रीमियम मांग रही थीं। इससे भारत की समुद्री व्यापार लागत बढ़ रही थी और विदेशी मुद्रा का भारी खर्च हो रहा था।

सरकार ने निकाला समाधान - सरकार ने इसे रणनीतिक चुनौती मानते हुए स्वदेशी समाधान निकाला। भारत सरकार की तरफ से स्थापित पुल की मदद से अब बीमा कवरेज की सुविधा होगी। बीमा कराने में विदेशी मुद्रा खर्च करने की बाध्यता भी खत्म होगी।

सूचना-प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, अब भारतीय जहाजों को विदेशी कंपनियों के भरोसे नहीं रहना पड़ेगा। यह समुद्री कारोबार से जुड़े सभी प्रकार के जोखिमों को लेकर उद्योग जगत को कवरेज देगा।

इसमें युद्ध होने की स्थिति में जो जोखिम होते हैं, उससे भी कवरेज मिलेगा। यह सिर्फ भारतीय ध्वज वाले जहाजों, भारत द्वारा नियंत्रित जहाजों और उन जहाजों को कवरेज देगा जो भारत आ रहे हों। शुरू में कवरेज की अवधि 10 वर्ष होगी जिसे बाद में बढ़ा कर 15 वर्ष किये जाने की संभावना है। सरकार का कहना है कि यह पूल न सिर्फ भारतीय शिपिंग उद्योग को मजबूती देगा, बल्कि देश की समुद्री सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देगा।

इसके साथ ही कैबिनेट ने शनिवार को सरकार ने महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में दो फीसद की बढ़ोतरी का फैसला किया है। इस फैसले से लगभग 50.46 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारियों और 68.27 लाख पेंशनभोगियों को फायदा होगा।

वैष्णव ने बताया कि इस वृद्धि से सरकारी खजाने पर हर साल अतिरिक्त 6,791.24 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। बढ़ोतरी 1 जनवरी 2026 से लागू होगी। इसके साथ ही महंगाई भत्ता अब कर्मचारियों के मूल वेतन का 60 प्रतिशत हो जाएगा। पहले यह 58 प्रतिशत था। जितने भी केंद्र सरकार के कर्मचारी और रिटायर्ड कर्मचारी हैं, उनकी सैलरी और पेंशन में अब थोड़ी बढ़ोतरी हो जाएगी। यह बढ़ोतरी महंगाई को ध्यान में रखकर की गई है। कैबिनेट ने एक अन्य फैसले के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-3 (पीएमजीएसवाइ) को जारी रखने के साथ-साथ उसकी समय-सीमा बढ़ा दी है। योजना के कुल परिव्यय को अब 83,977 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिसमें केंद्र का हिस्सा 54,848 करोड़ और राज्यों का हिस्सा 29,129 करोड़ रुपये रहेगा।

बिना परिसीमन के लागू नहीं हो सकता है महिला आरक्षण, बोले रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस की ओर से बिना परिसीमन के लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों में से 33 फीसद महिलाओं के आरक्षित करने की मांग को असंवैधानिक करार दिया है।

पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि लोकसभा या विधानसभा की सीटों में किसी भी प्रकार का संशोधन परिसीमन के बिना नहीं किया जा सकता है।

कांग्रेस के आरोपों पर जताई आपत्ति- रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा महिला के इस्तेमाल करने के आरोप पर तीखी आपत्ति जताई। प्रसाद ने साफ किया कि महिला कोई वस्तु नहीं है, जिसका इस्तेमाल किया जा सके। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर हर महिला हितैषी कदम के विरोध करने का आरोप लगाया। संवैधानिक प्रविधानों का उल्लेख करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि महिला आरक्षण के लिए 2023 के कानून में भी स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि 2026 के बाद पहली जनगणना के आधार पर परिसीमन किया जाएगा और उसी के आधार पर 33 फीसद आरक्षण लागू किया जाएगा। परिसीमन आयोग को नहीं मानने के प्रियंका गांधी के बयान पर तीखी आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि यह एक संवैधानिक और कानूनी रूप से वैध संस्था है।

मुंबई एयरपोर्ट के बाद उरण के कार्गो गोदाम में लगी भीषण, आसमान में छाया धुएं का गुबार

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र के उरण इलाके में शनिवार को एक बड़े कार्गो हैंडलिंग वेयरहाउस में भीषण आग लग गई। यह गोदाम जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी के पास गवहन फाटा इलाके में स्थित है।

आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई, हालांकि राहत की बात यह है कि अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है और विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने में जुटी हुई हैं।

पहले भी एयरपोर्ट पर लगी थी आग- इससे पहले इसी महीने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर भी आग लगने की घटना सामने आई थी। यह आग संताक्रूज ईस्ट इलाके में एक इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर लगी थी। मुंबई फायर ब्रिगेड के अनुसार, आग की सूचना शाम करीब 6~35 बजे मिली थी और इसे लेवल-1 घोषित किया गया। आग इलेक्ट्रिक पावर हाउस एरिया तक सीमित थी, जहां वायरिंग, केबल और पैनल को नुकसान पहुंचा।

भारत-दक्षिण कोरिया संबंधों में नई उम्मीद, राष्ट्रपति ली जे मुंग की यात्रा से बढ़ेंगी संभावनाएं

नई दिल्ली/ जीएनएस। दक्षिण कोरिया की राजनीतिक अस्थिरता और वहां की सरकारों की कुछ हद तक असमंजसता के कारण भारत-दक्षिण कोरिया के द्विपक्षीय संबंध ऊंची उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। रक्षा और कारोबारी क्षेत्र में बार बार दोनों तरफ से अपार संभावनाओं की बात कहने के बावजूद परिणाम बहुत उत्साहजनक नहीं है।

सहमति बनने के बावजूद दोनों देशों के रक्षा और विदेश मंत्रियों की बैठक शुरू नहीं हो पाई। ऐसे में उम्मीद है कि दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे मुंग की रविवार से शुरू हो रही तीनदिवसीय यात्रा से नई शुरूआत होगी। राष्ट्रपति ली जे मुंग के साथ सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की द्विपक्षीय बैठक में प्रौद्योगिकी, क्रिटिकल मिनरल्स और कारोबार को मजबूत बनाने पर चर्चा होने की उम्मीद है। भारत ने करीब एक दशक पहले दक्षिण कोरिया को महत्वपूर्ण सामरिक साझेदार के रूप में चिन्हित किया था, लेकिन यह साझेदारी खासा परवान नहीं चढ़ सकी। दोनों देशों के बीच टू प्लस टू वार्ता की घोषणा की गई थी, जिसमें रक्षा और विदेश मंत्रियों की भागीदारी होती।

भारत इस तरह की बैठकें जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे अपने रणनीतिक साझेदारों के साथ नियमित रूप से करता है, लेकिन दक्षिण कोरिया के मामले में राजनीतिक अस्थिरता के चलते यह प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई। कोरिया में बार-बार सरकार बदलने और घरेलू राजनीतिक संकटों ने द्विपक्षीय संबंधों को गति देने में बाधा डाली।

होर्मुज में भारतीय टैंकर पर हमले से ऐक्शन में सरकार, ईरानी राजदूत को किया समन

नई दिल्ली/ जीएनएस। होर्मुज स्ट्रेट में इराकी तेल लेकर आ रहे भारतीय झंड़े वाले तेल टैंकर पर हमला हुआ है। इस घटना के बाद विदेश मंत्रालय ने ईरानी राजदूत को समन भेजा है। विदेश मंत्रालय के मामलों से परिचित सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय जहाज पर हुए हमले को लेकर चिंता जाहिर की।

इस मामले में मंत्रालय ने ईरानी राजदूत डॉ. मोहम्मद फथली को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया है। सूत्रों के मुताबिक ईरानी राजदूत की मुलाकात विदेश मंत्रालय की पाकिस्तान-अफगानिस्तान और ईरान डेस्क के प्रमुख संयुक्त सचिव डॉ. एम आनंद प्रकाश से हुई। बता दें, लगभग 20 लाख बैरल इराकी तेल लेकर जा रहे एक बड़े भारतीय कच्चे तेल के टैंकर पर शनिवार को ओमान के उत्तर में ईरानी नौसेना ने फायरिंग की।

यह घटना उस समय सामने आई जब खबरें आईं कि दो भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से वापस लौटने के लिए मजबूर किया गया। कई रिपोर्ट्स में इन दोनों भारतीय जहाजों के नाम जग अर्नब और शेनमार हेराल्ड बताया गया है। एक सरकारी सूत्र के मुताबिक भारतीय नौसेना इस पूरी घटना की जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है। लेकिन पिछले 7 हफ्तों से जारी तनातनी के बीच होर्मुज के पास कोई भारतीय नौसैनिक जहाज मौजूद नहीं है।हालांकि, भारत के पास ओमान की खाड़ी में दो डिस्ट्रायर्स, एक फ्रिगेट और एक टैंकर तैनात हैं। गौरतलब है कि शुक्रवार को ईरान ने लेबनान में हुए सीजफायर के बाद होर्मुज को खोलने का ऐलान कर दिया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके लिए तेहरान का धन्यवाद भी किया।

हालांकि, कुछ ही समय के बाद ट्रंप ने एक और पोस्ट करके कहा कि ईरान ने भले ही होर्मुज को बंद करने का ऐलान कर दिया हो, लेकिन शांति समझौता हो जाने तक अमेरिका होर्मुज के पास लगे अपने ब्लाकेड को नहीं हटाएगा। इसके बाद ट्रंप ने ऐसे ही दो से तीन पोस्ट और किए।

कर्नाटक में 70 साल बाद फिर गूंजेगी चीतों की दहाड़, दक्षिण अफ्रीका से लाए गए 4 चीते

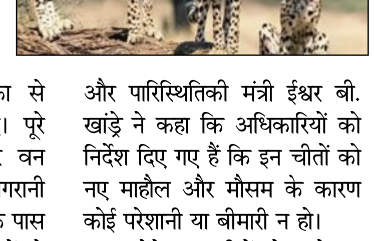

नई दिल्ली/ जीएनएस। चार चीते दो नर और दो मादा शनिवार को बेंगलुरु पहुंचे हैं। ये चीते दक्षिण अफ्रीका से लाए गए हैं। सरकार भारत में चीतों को फिर से बसाने के लिए यह प्रयास कर रही है।

ये चीते दक्षिण अफ्रीका से विशेष विमान से लाए गए। पूरे समय पशु चिकित्सक और वन विभाग के कर्मचारी इनकी निगरानी करते रहे। अब इन्हें बेंगलुरु के पास स्थित बनरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान में ले जाया जाएगा।

नए माहौल और मौसम बनेगी परेशानी- कर्नाटक के वन, पर्यावरण और पारिस्थितिकी मंत्री ईश्वर बी. खांड्रे ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि इन चीतों को नए माहौल और मौसम के कारण कोई परेशानी या बीमारी न हो।

उन्होंने कहा, चीतों को पहले 30 दिनों तक क्वारंटाइन में रखा जाएगा। उन्हें सही आहार दिया जाएगा और किसी भी संक्रमण की जांच की जाएगी। उसके बाद ही उन्हें बनरघट्टा में सुरक्षित तरीके से ले जाया जाएगा।

चीतों का पुराना घर कर्नाटक मंत्री ने बताया कि पहले कर्नाटक के जंगलों में भी चीते घूमते थे, लेकिन अब वे यहां से गायब हो चुके हैं। उन्होंने कहा, लोगों को कम से कम चिड़ियाघर या उद्यान में चीतों को देखने का मौका तो मिलना चाहिए। इनकी सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है।

ये चार चीते प्रोजेक्ट चीता के तहत लाए गए हैं। यह भारत सरकार की एक बड़ी वन्यजीव परियोजना है, जिसे साल 2022 में शुरू किया गया था।

एकात्म पर्व के दूसरे दिन विभिन्न विषयों पर संवाद

पर्यावरण हमसे अलग नहीं है, अपितु यह हमारा ही एक हिस्सा है - डॉ. बालकृष्ण पिसुपति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास,संस्कृति विभाग मप्र शासन द्वारा 17 से 21 अप्रैल तक चल रहे पंच दिवसीय एकात्म पर्व के दूसरे दिन देश के विभिन्न वक्ताओं एवं संतो की उपस्थिति में विभिन्न सत्रों का आयोजन हुआ, कार्यक्रम में सिख संप्रदाय पर विशेष सत्र हुआ,जिसमें गुरु ग्रन्थ साहिब से लेकर अद्वैत दर्शन की चर्चा हुई।

रामकृष्ण मिशन पर आधारित सत्र में स्वामी जापसिद्धानंद, स्वामी वेदतत्त्वानंद पुरी तथा स्वामी सर्वभद्रानंद ने सहभागिता की। इस सत्र में वक्ताओं ने रामकृष्ण परमहंस के जीवन, उनके अद्वैत दर्शन तथा मिशन की व्यापक भूमिका पर गहन विचार प्रस्तुत किए। स्वामी वेदतत्त्वानंद पुरी जी के अनुसार, रामकृष्ण मिशन को केवल एक संस्था के चश्मे से देखना इसकी व्यापकता को सीमित करना होगा। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि रामकृष्ण मिशन वास्तव में श्री रामकृष्ण और उनके मिशन का एक जीवंत विस्तार है। उन्होंने अपने विचारों को चार मुख्य स्तंभों, रामकृष्ण परमहंस का जीवन दर्शन, उनके शिष्यों का योगदान, संस्थागत ढांचा और समाज पर प्रभाव, में विभाजित कर प्रस्तुत किया। उन्होंने 'शिव ज्ञाने जीव सेवा' के मंत्र को समझाते हुए कहा कि सेवा केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव में शिव का दर्शन करना है। स्वामी सर्वभद्रानंद ने बताया कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने सन् 1897 में अपने शिष्यों के साथ मिलकर रामकृष्ण आश्रम की स्थापना की। उन्होंने यह भी कहा कि परमहंस जैसे संत विरले होते हैं, जो यह कह सकें कि वे ईश्वर के साक्षात दर्शन करा सकते हैं।।स्वामी जापसिद्धानंद ने अद्वैत की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए तोतापुरी बाबा के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार तोतापुरी बाबा ने रामकृष्ण परमहंस को निर्विकल्पता की ओर अग्रसर किया। माँ काली के साकार रूप के कारण ध्यान में आने वाली बाधाओं के बावजूद, अंततः उन्होंने निर्विकल्प समाधि का अनुभव प्राप्त किया। स्वामी जी ने माँ शारदा देवी की पवित्रता का भी उल्लेख किया और बताया कि वे रामकृष्ण परमहंस की प्रथम शिष्या थीं, जिनकी पवित्रता के कारण वे लंबे समय तक समाधि में स्थित रह सके।

हम प्रकृति के संरक्षक है मालिक नहीं- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम,नई दिल्ली के राष्ट्र प्रमुख डॉ. बालकृष्ण पिसुपति ने अपने वक्तव्य में अद्वैत के श्लोक ब्रह्म सत्य जगत मिथ्याका उदाहरण लेते हुए बताया कि पर्यावरण हमसे अलग नहीं है, अपितु यह हमारा ही एक हिस्सा है इसलिए किसी भी चीज को अलग समझना भ्रम है। उन्होंने कहा कि प्रकृति को बाहरी मानने के कारण ही संकटों की शुरुआत होती है। बालकृष्ण जी ने कहा कि पानी और जीव-जगत किसी सीमा को नहीं मानते, लेकिन मनुष्य ने सदैव उन्हें बाँटने की कोशिश की है। यही सोच पर्यावरण समस्याओं को जन्म देती है। पिसुपति ने कहा कि हम पर्यावरण संसाधनों के मालिक नहीं हैं, बल्कि उसके संरक्षक हैं। उन्होंने बताया कि कैसे सुविधाप्रधान जीवनशैली के कारण पर्यावरण को नुकसान पहुँच रहा है। डॉ बालकृष्ण ने यह भी बताया कि हमें 10,000 साल पुरानी जीवनशैली जीने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि अपने पर्यावरण के प्रति जागरूक होने की जरूरत है। बालकृष्ण ने सलाह देते हुए कहा कि बदलाव की शुरुआत हमें खुद से करनी चाहिए। उसका प्रभाव भले ही कम लगे, परंतु उसका सामूहिक प्रभाव एक बड़ा अंतर ला सकता है। उनसे पूछे गए एक सवाल के उत्तर में उन्होंने स्पष्ट किया कि इस वक्त विश्व के सामने समस्या ये है कि हमारे पास एक समस्या के कई समाधान है और उनमें से किसी एक को चुनना मुश्किल है, क्योंकि हर देश विकास का अपना तरीका चुनता है।

सौर गांधी के नाम से प्रसिद्ध चेतन सिंह सोलंकी ने अद्वैत एवं पर्यावरण विषय पर बोलते हुए कहा कि विज्ञान प्रगति कर रहा है परंतु पृथ्वी का आकार, संसाधन नहीं बढ़ रहा है और मनुष्य निरंतर मिट्टी, जल , हवा दूषित कर रहा है। चेतन ने सत्र के दौरान अद्वैत कैसे पर्यावरण की रक्षा कर रहा है, सब में ब्रह्म है तो पर्यावरण दूषित क्यों हो रहा है? ह के नियमों को किस तरह से अद्वैत से जोड़ सकते है जिससे सब के लिए समान नियम बने जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न वक्ताओं से पूछे और साथ ही उन्होंने कहा कि हम कुछ न करके भी पर्यावरण को सुरक्षित कर सकते है। उन्होंने कहा हमारी जरूरतें बढ़ रही है परन्तु पृथ्वी सीमित है इसलिए हमारी जरूरतें सीमित होनी चाहिए।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जीवंत हुआ आचार्य शंकर का दर्शन- पुण्य सलिला नर्मदा के तट पर आयोजित एकात्म पर्व में आध्यात्मिक चेतना और कला का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वे सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं, जिन्होंने आदि गुरु शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन और उनकी कालजयी रचनाओं को मंच पर जीवंत कर दिया।

प्रकृति और स्तोत्रों का अनूठा संगम- आचार्य शंकर ने प्रकृति को ईश्वर का स्वरूप माना था। उन्होंने नदियों की दिव्यता को रेखांकित करते हुए गंगा, यमुना और नर्मदा पर कई स्तोत्रों की रचना की। कार्यक्रम में यह तथ्य प्रमुखता से उभरा कि हजारों वर्ष पूर्व, मात्र आठ वर्ष की अल्पायु में आचार्य शंकर ने ओंकारेश्वर की इसी पावन भूमि पर नर्मदाष्टकम् की रचना की थी।

आज भी त्वदीय पाद पंकजम्, नमामि देवी नर्मदे के स्वर करोड़ों लोगों के कंठ में गूँजते हैं। इसी तरह, जब वे गंगा के तट पर पहुँचे, तो उन्होंने देवी सुरेश्वरी भगवती गंगे के माध्यम से गंगा की अलौकिकता का गान किया। ये स्तोत्र आज के समय में भी पर्यावरण संरक्षण और आध्यात्मिक शांति के लिए हम सभी के लिए प्रेरणा पुंज बने हुए हैं।

मंच पर उतरीं शास्त्रीय कलाएँ- सांस्कृतिक संध्या में भारत की समृद्ध शास्त्रीय नृत्य परंपरा के माध्यम से शंकर के दर्शन को प्रस्तुत किया गया। प्रसिद्ध नृत्यांगना शुभदा वराड़कर ने अपने समूह के साथ ओड़िसी शैली में आचार्य शंकर द्वारा रचित स्तोत्रों पर भावपूर्ण प्रस्तुति दी। उन्होंने नृत्य के माध्यम से नदियों की चंचलता और उनके प्रति भक्ति भाव को बखूबी दर्शाया। सुप्रसिद्ध कलाकार पद्मजा सुरेश ने शक्ति पर केंद्रित भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी। उनकी मुद्राओं और पदचाप में आदि शक्ति का तेज और आचार्य शंकर की सौंदर्य लहरी की झलक दिखाई दी। कार्यक्रम में केवल नदियों पर केंद्रित स्तोत्र ही नहीं, बल्कि आचार्य शंकर की अन्य महान रचनाओं जैसे निर्वाणषटकम् और गणेश पंचरत्नम् पर भी कोरियोग्राफी प्रस्तुत की गई। मनोबुद्ध्यहंकार चित्तानि नाहं... के स्वर जब वातावरण में गूँजे, तो दर्शक दीर्घा में बैठा हर व्यक्ति अद्वैत भाव में सराबोर हो गया।

जन-मानस में गूँजता एकात्म भाव- एकात्म पर्व के इन कार्यक्रमों ने यह सिद्ध कर दिया कि आचार्य शंकर का ज्ञान केवल ग्रंथों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह संगीत, नृत्य और लोक समाज की संस्कृति में रचा-बसा है। ओंकारेश्वर की इस पुण्य भूमि पर हुई इन प्रस्तुतियों ने युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों और महान सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज जानापाव आएंगे, भगवान परशुराम जयंती कार्यक्रम में होंगे शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 अप्रैल को भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव पहुंचेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव हेलीकॉप्टर द्वारा दोपहर 1:15 बजे जानापाव आगमन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यहां भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर आयोजित धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पूजा-अर्चना करेंगे तथा उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 1:40 बजे धार जिले के लिए प्रस्थान करेंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपराह्न 3:55 बजे इंदौर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इंदौर प्रवास के दौरान वे यहां भगवान परशुराम की शोभायात्रा में शामिल होंगे। साथ अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे।

इंदौर में लॉरेंस और हैरी बॉक्सर गैंग द्वारा बिल्डर को धमकाने के मामले में जांच करेगी क्राइम ब्रांच की एसआईटी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बिल्डर और कारोबारियों को काल कर धमकाने के मामले में क्राइम ब्रांच में भी विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। एसआईटी ने लॉरेंस और हैरी बॉक्सर संबंधित जानकारी एकत्र करना शुरु कर दिया है। गुना और अशोक नगर में पकड़े गए आरोपियों से अभी तक कोई कनेक्शन नहीं मिला है। बिल्डर विवेक दम्मानी को 5 करोड़ रुपयों के लिए हैरी बॉक्सर के नाम से धमकाया गया था। इसके बाद उनसे जुड़े कुंवर भूरिया और चेतनसिंह पंवार के पास भी 10 करोड़ रुपये के लिए काल आ गए। तीनों घटनाएं की क्राइम ब्रांच में एफआइआर दर्ज कर ली गई हैं। शुक्रवार को डीसीपी क्राइम राजेश त्रिपाठी ने एसआईटी का गठन कर दिया। टीम में निरीक्षक अजय नायर, एएसआई ओमप्रकाश तिवारी, विजयसिंह चौहान सहित सात लोगों को शामिल किया गया है। टीम सबसे पहले यह जानकारी जुटाने में लगी है कि आखिर बिल्डर और कारोबारियों की निजी जानकारी कौन मुहैया करवा रहा है। अफसरों के अनुसार इंदौर में कॉल कर धमकाने की पांच घटनाएं हो चुकी हैं। चार घटनाओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई हैं। बिल्डर मनीष गोधा ने कायमी से इनकार कर दिया है। कान्ट्रैक्टर संजय जैन (साउथ तुकोगंज) को धमकाने के मामले में पुलिस ने मनीष जांगीड़ को रिमांड पर लिया था। उसको प्रदीप शुक्ला द्वारा काम सौंपा गया था। प्रदीप अशोकनगर में हुई घटना का आरोपित है। इसकी जांच डीजीपी कैलाश मकवाणा द्वारा गठित एसआईटी कर रही है। इसमें डीआईजी राहुल लोढा शामिल हैं। डीआईजी के अनुसार मामले में एक नाबालिग से पूछताछ की गई मगर उसका इंदौर की घटनाओं में कोई कनेक्शन नहीं मिला। बल्कि वह कभी इंदौर आया ही नहीं था।

यात्रीगण कृपया ध्यान दे- 21 अप्रैल से इंदौर से मुबंई के बीच चलेगी सुपर फास्ट ट्रेन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी के दिनों में इंदौर से मुंबई के बीच अतिरिक्त ट्रेन चलाने की मांग के बाद रेलवे ने 21 अप्रैल से इस रूट पर सुपरफास्ट ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। यह ट्रेन 30 मई तक संचालित होगी। सप्ताह में दो दिन चलने वाली इस ट्रेन को 17 कोचों के साथ रेलवे चलाएगा। इसमें 1 प्रथम श्रेणी एसी, 3 द्वितीय श्रेणी एसी और 11 तृतीय श्रेणी एसी कोच शामिल होंगे। इससे पहले इंदौर-मुंबई रूट पर तेजस सुपरफास्ट ट्रेन का संचालन रेलवे ने शुरू किया था, लेकिन बाद में उसे बंद कर दिया गया।

अब पश्चिम रेलवे नई ट्रेन सप्ताह में दो दिन चलाएगा। यह स्पेशल ट्रेन (गाड़ी संख्या 09085/09086) 21 अप्रैल से शुरू होकर 30 मई 2026 तक संचालित की जाएगी। यह ट्रेन मुंबई सेंट्रल से इंदौर के लिए (ट्रेन संख्या 09085) सप्ताह में सोमवार और शुक्रवार को रात 11:20 बजे रवाना होगी, जो दूसरे दिन दोपहर 1 बजे इंदौर पहुंचेगी। इंदौर से यह ट्रेन मुंबई सेंट्रल के लिए (ट्रेन संख्या 09086) हर मंगलवार और शनिवार को शाम 5 बजे रवाना होगी, जो अगले दिन सुबह 7 बजे मुंबई पहुंचेगी।

कार में चल रहा था IPL का ऑनलाइन सट्टा, विजयनगर पुलिस ने दो सटोरियों को दबोचा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध गतिविधियों पर शिकंजा कसते हुए थाना विजयनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कार में बैठकर Indian Premier League (आईपीएल) मैचों पर ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले दो सटोरियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 10 लाख रुपये नकद, 6 मोबाइल फोन और एक क्रेटा कार सहित कुल करीब 25 लाख रुपये का मशरुका जब्त किया गया है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार शहर में जुआ और ऑनलाइन सट्टे पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस उपायुक्त जोन-02 कुमार प्रतीक, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह एवं सहायक पुलिस आयुक्त विजयनगर पराग सैनी के मार्गदर्शन में विजयनगर पुलिस ने यह कार्रवाई की।

दिनांक 18 अप्रैल 2026 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आईडीए ग्राउंड, मंगल सिटी के सामने एक सफेद क्रेटा कार में बैठकर कुछ लोग क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा चला रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी मीना बोरासी के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई। पुलिस ने कार से दो संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ की, जिन्होंने अपने नाम आकाश जिंदल (24) निवासी कंचन नगर, नीमच और प्रियांश जैन (25) निवासी जैन कॉलोनी, नीमच बताए।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे एक ऑनलाइन वेबसाइट पर आईडी के माध्यम से लॉग-इन कर आईपीएल मैचों के दौरान जीत-हार पर लाखों रुपये के दांव लगवाते थे। उनके पास इस कार्य के लिए कोई वैध लाइसेंस नहीं था। इसके बाद पुलिस ने दोनों के खिलाफ पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों से नगदी, मोबाइल फोन और सट्टा संचालन में प्रयुक्त कार जब्त कर ली है और मामले को विवेचना में लिया गया है। साथ ही आरोपियों से पूछताछ कर सट्टे से जुड़े पूरे नेटवर्क को खंगालने की कार्रवाई की जा रही है।

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी मीना बोरासी, उपनिरीक्षक अजय सिंह कुशवाह सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विधायक मधु वर्मा ने देवी अहिल्याबाई होलकर मंडी में ई-मंडी पोर्टल हेतु बैठक आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक श्री मधु वर्मा द्वारा आज स्थानीय देवी अहिल्याबाई होलकर फल एवं सब्जी मंडी प्रांगण में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य मंडी की कार्यप्रणाली को डिजिटल कर किसानों और व्यापारियों के हित में ई-मंडी पोर्टल को प्रभावी ढंग से लागू करना रहा।

बैठक में विधायक श्री वर्मा ने जानकारी दी कि ई-मंडी पोर्टल की बारीकियों को समझाने के लिए 23 अप्रैल को विशेष तकनीकी टीम मंडी आ रही है। यह टीम व्यापारियों और मंडी अधिकारियों को पोर्टल के संचालन और उसके लाभों के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित करेगी। पोर्टल का मुख्य लक्ष्य किसानों को उनकी उपज का सही दाम और पारदर्शी भुगतान सुनिश्चित करना है। डिजिटल होने से बिचौलियों की भूमिका कम होगी और किसानों को सीधे लाभ मिलेगा।

विधायक श्री वर्मा ने समस्त मंडी सदस्यों और व्यापारियों से अपील की है कि वे 23 अप्रैल को होने वाले प्रशिक्षण सत्र में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, ताकि तकनीक के समन्वय से मंडी विकास के नए आयाम स्थापित किए जा सकें। श्री वर्मा ने नवागत सचिव श्री खेड़े की कार्यशैली और सहायक उप-निरीक्षक श्री धर्मेंद्र के तकनीकी सहयोग की सराहना की। उन्होंने किसानों के लिए पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं में सुधार के प्रयासों को भी सराहा। बैठक में व्यापारियों को आश्वस्त किया गया कि आगामी दो माह के भीतर मंडी संचालन की सभी व्यावहारिक समस्याओं को दूर कर लिया जाएगा।

बैठक में श्री राजेंद्र ठाकुर,श्री सचिन जादौन,श्री अनिल, श्री धर्मेंद्र तोमर, श्री भूपेंद्र जी राठौर एवं बड़ी संख्या में व्यापारी प्रतिनिधि उपस्थित थे।

15 जून से लगेंगे 3 लाख पौधे, औषधीय प्रजातियों पर जोर, इंदौर के जंगलों में छाएगी हरियाली

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर और इसके आसपास के वन क्षेत्रों को हरा-भरा बनाने के लिए वन विभाग ने कमर कस ली है। विभाग की योजना के अनुसार इस वर्ष इंदौर, मानपुर और महू के जंगलों में 3 लाख से अधिक नए पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वन विभाग के अधिकारियों ने आगामी मानसून सत्र की तैयारियों को लेकर अमर उजाला के साथ विस्तृत जानकारी साझा की। पौधरोपण के लिए तैयारियां पूर्ण वन मंडल अधिकारी इंदौर (डीएफओ) लाल सुधाकर सिंह ने अमर उजाला को बातचीत में बताया कि जंगलों में पौधरोपण के लिए आवश्यक गड्ढे खोदने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। विभाग को शासकीय नर्सरी से पर्याप्त संख्या में पौधे भी प्राप्त हो चुके हैं। इस अभियान के तहत विभिन्न रेंज में कुल 1 लाख 85 हजार पौधे सीधे तौर पर लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, प्रतिस्थापन प्रक्रिया या कैजुअल्टी सुधार के अंतर्गत 82 हजार पौधे लगाए जाएंगे, जिनमें पूर्व में लगाए गए कमजोर या मृत पौधों के स्थान पर नए पौधे रोपे जाते हैं।

साधना सप्ताह में मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग का उत्कृष्ट प्रदर्शन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साधना सप्ताह में मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग ने अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन के नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विभाग ने द्वत्हज्ञ पोर्टल पर अधिकतम पाठ्यक्रम पूर्ण करने के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा एवं प्रदेश स्तर पर दूसरा स्थान हासिल किया है। विभाग की इस उपलब्धि पर अब 21 अप्रैल को सिविल सर्विस डे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सम्मानित किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री राजन पुरस्कार ग्रहण करेंगे।

भारत सरकार द्वारा अधिकारियों-कर्मचारियों में ज्ञान, कौशल और क्षमता विकास को लेकर मिशन कर्मयोगी अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत देश के सभी राज्य, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी के तहत 2 अप्रैल से 10 अप्रैल तक (राष्ट्रीय सीखे सप्ताह) का आयोजन किया गया। इस दौरान द्वत्हज्ञ पोर्टल पर अधिकतम पाठ्यक्रम पूर्ण करने के मामले में मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी तरह साधना सप्ताह अंतर्गत राज्य स्तर पर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 10 हजार से अधिक लोकसेवकों की श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग श्री राजन ने राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा एवं प्रदेश स्तर पर दूसरा स्थान हासिल करने पर विभाग के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों, कर्मचारियों की लगन, मेहनत एवं समर्पण भाव से किए गए कार्य की वजह से विभाग ने राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर यह उपलब्धि हासिल की हैं।

अभियान चलाकर करें खाद-बीज विक्रय करने वाली संस्थाओं की जांच : मंत्री श्री कुशवाह

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायन सिंह कुशवाह ने विशेष अभियान चलाकर प्रदेश में खाद-बीज विक्रय करने वाले संस्थाओं और दुकानों की जांच करने के निर्देश दिये है। उन्होंने बताया कि धार और खरगौन जिले में किसानों को करेला (सब्जी) का निम्न गुणवत्ता का बीज प्रदाय करने से किसानों की फसल को काफी नुकसान हुआ है। इसके परिणामस्वरूप निम्न गुणवत्ता का बीज उपलब्ध कराने वाली कंपनी नुन्हेम्स इंडिया प्रायवेट लिमिटेड हैदराबाद (तेलंगाना) को प्रतिबंधित कर कंपनी के विरूद्ध आपराधिक दर्ज कराया गया है।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि किसानों को उद्यानिकी फसलों का उत्तम गुणवत्ता का बीज उपलब्ध करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिये है कि सभी जिलों में खाद-बीज विक्रय करने वाली संस्थाओं की जांच अभियान चलाकर की जाये। इसके लिये भोपाल स्थित संचालनालय के वरिष्ठ अधिकारी भी जिलों का भ्रमण कर संस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण करें। मंत्री श्री कुशवाह ने बताया कि तेलगांना राज्य की कंपनी नुन्हेम्स इंडिया प्रा. लि. हैदराबाद द्वारा धार जिले के विकासखंड धरमपुरी, उमरबन, मनावर, डही, कुक्षी एवं निसरपुर तथा खरगौन जिले के महेश्वर, बड़वाह एवं कसरावद विकासखंड के किसानों को करेले की रोबस्टा किस्म की बीज विक्रय किये गये थे। किसानों द्वारा धार जिले में 84 हैक्टेयर तथा खरगौन जिले में 110 हैक्टेयर क्षेत्र में करेले की फसल लगाई गई थी। लेकिन फसल रोपने के 80 से 90 दिन के बाद भी करेले की फसल निम्न गुणवत्ता के साथ पौधो पर आई जो जिसके फल पीले पढ़कर स्वयं ही बेल से टुटकर गिर रहे थे।

इंदौर पुलिस का बड़ा एक्शनः 5 कुख्यात बदमाश जिलाबदर, 11 पर सख्त निगरानी के आदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए पुलिस ने एक बार फिर कड़ा रुख अपनाया है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में 16 शातिर बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए 5 कुख्यात अपराधियों को जिलाबदर किया गया है, जबकि 11 अन्य बदमाशों को निर्बंधन आदेश जारी कर थाना हाजिरी के लिए पाबंद किया गया है।

पुलिस के अनुसार ये सभी बदमाश आदतन अपराधी हैं, जिनके खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में पहले से ही गंभीर धाराओं में कई प्रकरण दर्ज हैं। लगातार कार्रवाई के बावजूद इनके आपराधिक कृत्यों में कमी नहीं आ रही थी और ये क्षेत्र की शांति एवं कानून व्यवस्था को प्रभावित कर रहे थे। इसी को देखते हुए म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत इनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के लिए प्रस्ताव तैयार कर पुलिस आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

जांच और विचारण के बाद 5 कुख्यात बदमाशों को निर्धारित अवधि के लिए इंदौर जिले और उससे लगे सीमावर्ती जिलों की सीमाओं से बाहर रहने के आदेश जारी किए गए हैं। वहीं 11 अन्य बदमाशों पर निर्बंधन आदेश लागू करते हुए उन्हें तय समय पर संबंधित थाने में हाजिरी देने, किसी भी अवैधानिक गतिविधि से दूर रहने और लोकशांति भंग न करने जैसी सख्त शर्तों के साथ पाबंद किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि इन बदमाशों द्वारा आदेशों का उल्लंघन किया जाता है तो उनके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इन मामलों में शासन की ओर से पैरवी एडीपीओ अजय प्रताप बुंदेला द्वारा की गई। इंदौर पुलिस की यह कार्रवाई शहर में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इंदौर में यातायात पुलिस की सख्तीः 1375 नियम उल्लंघन पर कार्रवाई, सड़कों पर दिखा सुधार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए यातायात पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शहरभर में पेट्रोलिंग और व्हील लॉक कार्रवाई के दौरान 1375 वाहन चालकों पर नियम उल्लंघन को लेकर कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में चारों यातायात जोन में विशेष टीमें लगातार सक्रिय हैं। इन टीमों ने प्रमुख मार्गों, व्यस्त बाजारों और अधिक ट्रैफिक दबाव वाले क्षेत्रों में आकस्मिक भ्रमण कर अवैध पार्किंग, रॉंग साइड ड्राइविंग, मोबाइल का उपयोग और लापरवाही से वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की।

इस अभियान के दौरान 1065 बिना हेलमेट, 160 रॉंग पार्किंग, 47 नंबर प्लेट और 47 वन-वे उल्लंघन के मामलों में चालानी कार्रवाई की गई, वहीं सैकड़ों वाहनों को नो-पार्किंग जोन से हटाया गया। शहर के अन्नपूर्णा रोड, 56 दुकान, पलासिया, सराफा बाजार, विजयनगर, परदेशीपुरा सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग की गई।

पुलिस की इस सघन कार्रवाई का असर भी सड़कों पर साफ दिखाई दे रहा है। अवैध पार्किंग में कमी आई है, ट्रैफिक का प्रवाह पहले से अधिक सुगम हुआ है और वाहन चालकों में नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। साथ ही भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाम की स्थिति में भी कमी देखने को मिली है।

यातायात पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, जिसके तहत शहर के विभिन्न हिस्सों में लगातार निगरानी और सख्त कार्रवाई कर यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाया जाएगा, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

वर्दी से जागी नई उम्मीद - नशा मुक्त समाज की ओर इंदौर पुलिस की अनोखी पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगरीय पुलिस द्वारा युवाओं और बालकों को नशे की प्रवृत्ति से दूर कर सकारात्मक दिशा देने के उद्देश्य से वर्दी से जागी नई उम्मीद अभियान के अंतर्गत द्वितीय सत्र का सफल आयोजन किया गया। यह पहल पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त (जोन-3) राजेश व्यास के नेतृत्व में संचालित की जा रही है।

अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना, उन्हें अपराध की राह से दूर रखना और समाज में जागरूकता फैलाना है। कार्यक्रम के दौरान 30 ऐसे बालकों और युवाओं को उनके परिजनों सहित शामिल किया गया, जो नशे की ओर अग्रसर थे। पुलिस अधिकारियों ने उनसे सीधे संवाद कर नशे के दुष्परिणाम समझाए और उन्हें इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए बच्चों के साथ खेल गतिविधियां आयोजित की गई और लकी ड्रॉ के माध्यम से विजेता बच्चों को थाना प्रभारी के साथ आइसक्रीम भी खिलाई गई। इस अनोखी पहल ने बच्चों का ध्यान आकर्षित किया और उन्होंने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लेते हुए नशा न करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जोन-3) रामसनेही मिश्रा एवं सहायक पुलिस आयुक्त, संयोगितागंज सर्कल तुषार सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें थाना संयोगितागंज, पलासिया और छोटी ग्वालटोली क्षेत्र के युवाओं और उनके परिवारों की सहभागिता सुनिश्चित की गई। थाना प्रभारियों और पुलिस स्टाफ ने इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

काउंसलिंग सत्र के दौरान यह सामने आया कि युवाओं के नशे की ओर झुकाव के प्रमुख कारणों में परिवार में नशे का माहौल, आर्थिक कमजोरी, गलत संगत और सामाजिक परिवेश का नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। इन पहलुओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने आगे भी नियमित काउंसलिंग, मार्गदर्शन और निगरानी जारी रखने की योजना बनाई है।

इंदौर पुलिस का यह प्रयास न केवल नशा मुक्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज में नई उम्मीद जगाने वाला एक सशक्त और प्रेरणादायक अभियान भी बनकर सामने आया है।

परशुराम जन्मोत्सव : अब ब्राह्मणों को परशुराम की भूमिका निभाने का समय आ गया है- रमेशचन्द्र चन्द्रे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे ने अपने वक्तव्य में कहा है कि महर्षि ऋचीक और सत्यवती के पुत्र ऋषि जमदग्नि बड़े ही तेजस्वी थे इनका विवाह रेणु ऋषि (एक नाम प्रसेनजीत) की कन्या रेणुका से हुआ इनके 5 पुत्र हुए जिसमें सबसे छोटे पुत्र का नाम परशुराम था बाल्यकाल से ही वे अत्यंत ही तेजस्वी, क्रोधी और स्वाभिमानी स्वभाव के थे किंतु इसके साथ ही वे बहुत बुद्धिमान तथा माता पिता के आज्ञाकारी पुत्र थे इसमें पिता की आज्ञा का पालन वह अक्षरशः करते थे। परशुराम बड़े पराक्रमी एवं शिव के भक्त होने के कारण उन्हें शिव जी ने एक परशु प्रदान किया था। वह सदैव धर्म आचरण में रहते हुए भी सदैव कंधे पर परशु तथा पीठ पर धनुष बाण धारण करते थे ।

एक बार की बात है कि है, हैं हैहय वंश के क्षत्रिय राजा अर्जुन ने भगवान दत्तात्रेय को कठोर तपस्या करके प्रसन्न कर लिया और कई प्रकार की अजेय शक्ति प्राप्त की तथा विशेष रूप से सहस्त्र भुजाओं की शक्ति का वरदान उसे प्राप्त था। एक बार शक्ति के मद में उसने उसकी राजधानी महिष्मति वर्तमान में महेश्वर के निकट नर्मदा नदी के प्रवाह को अपनी सहस्त्र भुजाओं के बल से रोकने का प्रयास किया जिसमें वह सफल हुआ। इसी नदी के किनारे रावण ने अपनी छावनी लगा रखी थी उसमें पानी घुस गया जिससे क्रोधित होकर वह सहस्त्रार्जुन से भीड़ गया फल स्वरूप रावण को उसने बंदी बना लिया इसके पश्चात रावण के पिता पुलस्त्य ऋषि के कहने पर उसे छोड़ा। यही सहस्त्र बाहु एक दिन अपनी सेना की टुकड़ी के साथ जंगल में शिकार खेलने गया थका हारा वह अनजाने में जमदग्नि ऋषि के आश्रम में पहुंच गया जहां ऋषि ने राजा का सम्मान करते हुए समस्त सैनिकों को भी अच्छा स्वादिष्ट भोजन कराया अब इस सहस्त्रबाहु के मन में यह विचार आया की जंगल में एक छोटी सी कुटिया में रहते हुए ऋषि ने इतने भोजन की व्यवस्था कैसे कर ली जिज्ञासा वश उसने ऋषि से ही पूछा तो उन्होंने कहा यह सब इस कामधेनु गाय का प्रताप है यह सुनकर सहस्त्रबाहु के मन में पाप आ गया और उसने ऋषि की बगैर अनुमति के आंगन में बंधी गाय और बछड़े को खोलकर ले गया। इसकी जानकारी जब परशुराम जी को हुई तो वह क्रोधित होकर माहिष्मती नगरी की ओर चल पड़े जब तक राजा वहां पहुंचा उसके पहले ही परशुराम ने उस पर आक्रमण कर दिया भयंकर युद्ध और इस युद्ध में सहस्त्रबाहु का वध कर दिया गया एवं बहुत सारी सेना का भी विनाश परशुराम जी ने करके कामधेनु गाय और बछड़ा दोनों छुड़ा लिए और अपने पिता के आश्रम मे सौंप दिए

आमतौर पर पुत्र की सफलता के लिए पिता द्वारा उसे शाबाशी दी जाती है किंतु ऋषि जमदग्नि ने अपने पुत्र परशुराम की प्रशंसा नहीं की और यह कहा कि हम ब्राह्मण है और क्षमा करने भाव से ही हम सारे संसार में पूजनीय है निजी स्वार्थ के लिए तुम्हें उसका वध नहीं करना था इसलिए प्रायश्चित स्वरूप तुम 1 वर्ष तीर्थ यात्रा पर चले जाओ पिता की आज्ञा सुन परशुराम जी 1 वर्ष के लिए तीर्थ यात्रा चले गए अनेक स्थानों पर तीर्थ यात्रा संपन्न कर वे वापस आश्रम पर आ गए।

एक दिन परशुराम जी की माता रेणुका नदी के तट पर गई हुई थी वहां पर गंधर्व राज चित्ररथ सुंदर वस्त्र एवं फूलों की माला पहने हुए अप्सराओं के साथ बिहार कर रहा था उसे देख रेणुका कुछ आकर्षित हुई किंतु तुरंत ही वह सचेत होकर आश्रम की ओर चली गई तथा जल कलश ऋषि के सामने रखकर हाथ जोड़कर खड़ी हो गई महर्षि जमदग्नि ने अपनी पत्नी के मानसिक विकार को जान लिया और क्रोध के वशीभूत होकर अपने पुत्रों को कहां की इस पापिनी अपनी माता को मार डालो किंतु किसी भी पुत्र ने आज्ञा नहीं मानी इसके बाद पिता की आज्ञा से परशुराम जी ने अपनी माता एवं भाइयों का वध कर दिया इस पर महर्षि जमदग्नि ने प्रसन्न होकर अपने पुत्र को वर मांगने को कहा तो श्री परशुराम ने अपनी माता रेणुका और अपने भाइयों को जीवित करने का वर मांगा और यह भी कहा कि इन्हें इस बात ज्ञान नहीं रहना चाहिए कि मैंने इन का वध किया था। इस प्रकार वर फलीभूत हुआ और वह सब जीवित हो गए।

इधर सहस्त्रबाहु के पुत्र अपने पिता के वध को भूल नहीं पाए थे और एक दिन अपनी सेना के साथ उन्होंने जमदग्नि के आश्रम पर आक्रमण कर दिया उस समय ऋषि अग्नि शाला में हवन की तैयारी कर रहे थे सहस्त्रबाहु के पुत्रों ने उनका सिर काट दिया तथा आश्रम को तहस-नहस कर दिया एवं ऋषि का सिर अपने साथ ले गए उस समय परशुराम जी वन में भ्रमण कर रहे थे।

जैसे ही वह वन से आए तो पिता के मृत शरीर को देखकर बहुत-बहुत भावुक हुए किंतु उन्होंने अपने पिता के धड़ को अपनी माता और भाइयों को सौंपकर तुरंत अस्त्र शस्त्र एवं परशु धारण कर माहिष्मती नगरी की ओर चल पड़े तथा सहस्त्रार्जुन के अनेक पुत्रों को उन्होंने मार गिराया एवं उसके समर्थन में जो सेना आई थी उसका भी उन्होंने वध कर दिया और अपने पिता का सिर वापस लाकर धड़ से लगा दिया तत्पश्चात देवताओं की कृपा से स्मृति रूप संकल्प मय शरीर की प्राप्ति हुई तथा जमदग्नि सप्तर्षियों के मंडल में सातवें ऋषि हो गए। इस प्रकार परशुराम जी ने अपने पिता के वध को निमित्त बनाकर आतातायी अधर्मी एवं निर्बलो पर आक्रमण करने वाले ऋषि-मुनियों पर अत्याचार करने वाले ब्रह्म हत्यारों तथा दुराचारी क्षत्रियों का वध कर 21 बार इस पृथ्वी को उन दुराचारी क्षत्रियों से विहीन कर दिया था। तत्पश्चात कमल लोचन जमदग्नि नंदन भगवान परशुराम आगामी मन्वंतर मे शांत चित्त से महेंद्र पर्वत पर निवास करते हैं शुकदेव जी के अनुसार परशुराम जी के रूप में सर्वशक्तिमान भगवान श्री हरि ने इस प्रकार पृथ्वी पर भार भूत राजाओं का बहुत बार वध किया।

आज परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में हम भगवान परशुराम को प्रणाम करते हैं और उनसे चाहते हैं कि पृथ्वी पर रहने वाले प्रत्येक ब्राह्मण में आप जैसा तेज समाहित हो क्योंकि अब वह युग आ रहा है जब ब्राह्मण को परशुराम की भूमिका निभानी पड़ेगी तब ही ब्राह्मण अपने अस्तित्व को कायम रख सकते है ।

विशेष - वर्तमान में परशुराम जी के पिता महर्षि जमदग्नि का आश्रम महू के पास मानपुर की जानापाव पहाड़ी पर स्थित है। वहां मोटरसाइकिल कार या छोटी गाड़ियों से जाया जा सकता है। मध्य प्रदेश सरकार ने इस पहाड़ी को विकसित किया है तथा घूमने फिरने के लिए एक अच्छा प्राकृतिक स्थान है एवं सहस्त्रबाहु की राजधानी महेश्वर है जो जमदग्नि के आश्रम से करीब 60 किलोमीटर दूर है वहां आज भी गर्मी की दिनों में नर्मदा नदी की सहस्त्रधाराएं सकती है।

कलेक्टर ने की विभिन्न निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गांधी सागर से जिले की हर घर नल से जल प्रदाय योजना के सफल संचालन के लिए कलस्टर लेवल पर सभी सरपंचों, सचिवों, पम्प ऑपरेटरों और वाल्वमेनो का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर प्रशिक्षण प्रदान करें। साथ ही पेयजल टंकीयों में जल भराव, प्रदाय की रीयल टाईम मानिटरिंग की व्यवस्था की जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शनिवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में सभी निर्माण विभागों के अधिकारियों की बैठक में विभिन्न निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा करते हुए जल निगम एवं लोक स्वा.या.वि.के कार्यपालन यंत्री को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव व विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने जल निगम महाप्रबंधक व एमपीआरडीसी के सहायक यंत्री को निर्देश दिए कि वे संयुक्त रूप से भ्रमण कर देखे, कि सड़कों के शोल्डर्स पर जहां भी जल निगम की पाईप लाईन डाली गई है,उनका मौका मुआयना कर रिर्पोट प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने एमपीआरडीसी सहायक यंत्री को निर्देश दिए, कि वे नीमच, झालावाड़ सड़क निर्माण के लिए कन्सलटेंट द्वारा तैयार की जा रही डीपीआर निर्माण कार्य की स्वयं मॉनिटरिंग, मौका परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करें व रिर्पोट प्रस्तुत करें। उन्होने नीमच, सिंगोली सड़क निर्माण कार्य का मौके पर जाकर निरीक्षण कर पुल, पुलियाओ के निर्माण कार्य की उपयोगिता एवं उपयुक्तता का मौका मुआयना कर, रिर्पोट प्रस्तुत करने के निर्देश भी सहायक यंत्री एम.पी.आर.डी.सी.के सहायक यंत्री को दिए। कलेक्टर ने सड़क विकास निगम, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे सभी सड़कों का निर्माण, गुणवत्तापूर्ण समय सीमा में करवाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने गांधी सागर समूह जल प्रदाय योजना की प्रगति की समीक्षा में निर्देश दिए, कि जनपद पंचायतों/ पंचायतों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाए, कि 20 घरों की कोई भी बसाहट या 100 जनसंख्या वाली कोई भी बसाहट, हर घर नल से जल प्रदाय सुविधा के लाभ से छूटे नहीं यदि कोई गांव बसाहट छूट गया है, तो वहां भी हर घर नल से जल योजना के तहत नल कनेक्शन उपलब्ध करवाना जल निगम से सुनिश्चित करवाए।

भाजपा नेता श्री जैन के हाथों छात्रों को निशुल्क साइकिल वितरण

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान सरकार की महत्वपूर्ण फ्लैगशिप योजना निशुल्क साइकिल वितरण के तहत शनिवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तंबोलिया में 14 छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुनील जैन भाजपा मंडल अध्यक्ष बोराव रहे

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय इकाई अध्यक्ष भाजपा मनीष गांधी ने की इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुनील जैन ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा विद्यालय में कई तरह की योजनाएं संचालित की जा रही है निशुल्क यूनिफॉर्म निशुल्क पाठ्यपुस्तकें पोषाहार ट्रांसपोर्ट बाउचर छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं से छात्रों को लाभान्वित किया जा रहा है कक्षा 10 एवं 12वीं की होनहार छात्राओं को गार्गी पुरस्कार भी दिया जा रहा है छात्राएं अपना नियमित अध्ययन रखते हुए योजनाओं का लाभ उठाएं एवं समाज में अग्रिम भूमिका निभाएं प्रधानाचार्य कमलेश कोली ने विद्यालय की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बोर्ड परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत एवं अन्य छात्रों के फ्लैगशिप योजना में लाभान्वित होने की जानकारी दी इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुनील जैन द्वारा विद्यालय में 10 कुर्सी उपलब्ध कराने की घोषणा की गई कार्यक्रम में विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया कार्यक्रम का संचालन दिलीप निहलानी द्वारा किया गया

हृदय को रखना है सुरक्षित, तो बदलें जीवनशैली और खान-पान की आदतें- डॉ. शुभम चेलावत

दशपुर योग शिक्षा संस्थान ने किया 'हृदय रोग जागरूकता कार्यशाला' का आयोजन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दशपुर योग शिक्षा संस्थान, मंदसौर के तत्वावधान में शनिवार, 18 अप्रैल की सुबह आनन्द विहार स्थित मैत्री गार्डन योग केंद्र पर एक विशेष 'हृदय रोग जागरूकता कार्यशाला' का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य वक्ता सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शुभम चेलावत ने उपस्थित योग साधकों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए हृदय रोगों के कारण, बचाव के उपाय और एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के सूत्रों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया।

प्रारंभ में योग गुरू सुरेन्द्र जैन ने कहा कि किसी भी बीमारी के कारणों का पता होना आवश्यक है। यदि हम जानकार, सजग व सतर्क रहेंगे तो बीमारी को दूर रखने में सहायक होंगे। इसी को लेकर योग संस्था द्वारा समय-समय पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की बुलाकर कार्यशाला का आयोजन किया जाता है जिससे हम स्वास्थ्य के प्रति की जा रही लापरवाहियों व गलतियों में सुधार कर स्वस्थ जीवन अपना सकें।

व्यायाम में विविधता और कार्डियक एक्सरसाइज पर जोर- कार्यशाला में डॉ. चेलावत ने सलाह दी कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योगासन व व्यायाम के पैटर्न में बदलाव करना जरूरी है। केवल एक ही तरह की एक्सरसाइज न करें। उन्होंने प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट की कार्डियक एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल करने की बात कही।

पाम ऑयल और बार-बार गर्म किया तेल है 'जहर'- डॉ. चेलावत ने पिछले दो दशकों में भारतीय खान-पान में आए बदलावों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा वर्तमान में विवाह समारोहों और रेस्टोरेंट में पाम ऑयल का अत्यधिक उपयोग हो रहा है, जो हृदय के लिए अत्यंत खतरनाक है। इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि किसी भी कार्यक्रम में जाने से पहले घर से भोजन करके निकलें, ताकि वहां सीमित मात्रा में ही बाहर का खाना खाएं। उन्होंने कहा कि एक ही तेल को बार-बार गर्म करना जहर के समान है। यदि तेल दूसरी बार उपयोग होता है तो वह 5 गुना और तीसरी बार में 25 गुना अधिक हानिकारक हो जाता है। उन्होंने सलाह दी कि हर 6 माह में अपने खाने का तेल बदलें और फ्राइड फूड (तला-भुना) खाने से परहेज करें।

तनाव और मोबाइल-आधुनिक युग की बीमारियां- डॉ. चेलावत ने तनाव (स्ट्रेस) को बीमारियों की मुख्य जड़ बताया। उन्होंने कहा कि हम वर्तमान में जीने के बजाय अगली एक्टिविटी या व्यापार-घर की चिंताओं में खोए रहते हैं। मोबाइल के बढ़ते चलन पर उन्होंने कहा कि सोने से एक घंटा पहले और जागने के एक घंटे बाद तक मोबाइल से दूरी बनाएं उसके बजाय दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएं, हंसी-मजाक करें और सुख-दुख बांटें। यह ऊर्जा आपके शरीर और रिश्तों, दोनों के लिए संजीवनी का काम करेगी।

हृदय रोग के लक्षणों को पहचानें- उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल सीने में दर्द होना ही हार्ट अटैक का लक्षण नहीं है। उल्टे हाथ, जबड़े या पीठ के ऊपरी हिस्से में दर्द भी बीपी या हृदय संबंधी समस्या के संकेत हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में लापरवाही न बरतें और तुरंत विशेषज्ञ से परामर्श लें, दिल के मामले में बरती गई देरी खतरनाक हो सकती है।

प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग और कैंसर का खतरा- डॉ. चेलावत ने प्लास्टिक के बर्तनों में भोजन करने और पॉलीथीन के उपयोग के प्रति भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक का यह बढ़ता चलन भविष्य में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनेगा। सभी को इसके प्रति सतर्क होना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में योग संस्थान के लोकेन्द्र जैन, जितेश फरक्या, जिनेन्द्र उकावत, प्रेमेन्द्र चौरड़िया, धरमदास संगतानी और ललित जैन ने डॉ. चेलावत का स्वागत किया। शिविर में प्रीति जैन, कृष्णा पाटीदार, जापानी भावनानी, साधना जैन, मनोज खत्री, आनंद करन, सुभाष पाटीदार, घनश्याम पाण्डे, दयाराम लवाणी, गोपालकृष्ण पलोड़, महेश सेठिया, कैलाश शर्मा, नीलम जैसवानी, गोपाल पाटीदार, सोनिया खिमेसरा, प्रदीप जैन, रमेश लवाणी, किशन लवाणी, प्रीति छाबड़ा, किशोर आनंद, पूर्णिमा चौरड़िया, पिंकी अरोरा, सुनीता बग्गा, ज्योति चंदवानी, लाजवन्ती हाड़ा, बागीभाई संगतानी, देवीदास हरवानी, जानवी संगतानी, दिशा, हेमंत टेकचंदानी, विजू मोटवानी, सीमा पारखी, जया सेवानी,सीमा जैन, रीमा कोठारी, चन्द्र बालवानी, मीना बेलानी, वंशिका सेवानी, लता संगतानी, पुनम कोठारी, भूमि गंगवानी, कांता हरवानी, रेनु टेकचंदानी, लता लालवानी, रमेश रायमलानी, नीतू मोटवानी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और योग साधक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में भगवानदास वासवानी ने आभार व्यक्त किया।

संकल्प से समाधान अभियान बना मिसाल- 99.9% प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में सुशासन को मजबूत करने की दिशा में चलाया गया 'संकल्प से समाधान अभियान' अब एक सफल और प्रभावी मॉडल के रूप में उभरकर सामने आया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से आम नागरिकों की शिकायतों और आवेदनों का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया गया है। शासन की योजनाओं का लाभ अब वास्तव में अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है, जो इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक चले इस अभियान के दौरान प्रदेशभर से कुल 47.69 लाख आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 47.68 लाख प्रकरणों का समाधान किया गया। इस तरह 99.9 प्रतिशत मामलों का समयबद्ध निराकरण कर प्रशासन ने एक नई मिसाल पेश की है। यह आंकड़ा न केवल प्रशासनिक दक्षता को दर्शाता है, बल्कि आमजन के विश्वास को भी मजबूत करता है।

अभियान को चार चरणों में व्यवस्थित रूप से लागू किया गया। पहले चरण में ग्राम और वार्ड स्तर पर घर-घर जाकर आवेदन एकत्र किए गए। दूसरे चरण में स्थानीय स्तर पर शिविर लगाकर इन आवेदनों का त्वरित समाधान किया गया। तीसरे चरण में ब्लॉक स्तर पर शेष और नए आवेदनों का निराकरण किया गया, जबकि अंतिम चरण में जिला स्तर पर सभी लंबित प्रकरणों को खत्म कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इस दौरान पूरे प्रदेश में 3,659 शिविर आयोजित किए गए, जिनसे लोगों को सीधा लाभ मिला।

अभियान के तहत राजस्व से जुड़े कार्यों में सबसे अधिक आवेदन प्राप्त हुए। चालू खसरा-खतौनी की प्रतिलिपि के लिए 8.71 लाख से अधिक आवेदन आए, जिनमें से लगभग सभी का समाधान किया गया। इसके अलावा आयुष्मान भारत योजना, नक्शा प्रतिलिपि, भवन निर्माण अनुमति, श्रमिक पंजीयन, नो-ड्यूज प्रमाण पत्र, वृद्धावस्था पेंशन और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में भी लाखों आवेदनों का त्वरित निराकरण हुआ।

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा को मजबूत करने के लिए नल-जल योजना के अंतर्गत भी बड़ी संख्या में नए कनेक्शन दिए गए। वहीं स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र जारी करने जैसे कार्यों में लगभग शत-प्रतिशत सफलता हासिल की गई।

विभागीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। राजस्व विभाग ने 99.42 प्रतिशत, सामान्य प्रशासन विभाग ने 99.17 प्रतिशत और नगरीय विकास विभाग ने 98.18 प्रतिशत मामलों का निराकरण किया। अन्य विभागों में भी 90 प्रतिशत से अधिक समाधान दर दर्ज की गई, जो प्रशासनिक सक्रियता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'संकल्प से समाधान अभियान' ने प्रदेश में पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी प्रशासन को नई मजबूती दी है। यह पहल न केवल समस्याओं के समाधान तक सीमित रही, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास को भी मजबूत करने में सफल रही है। आने वाले समय में भी इस तरह के प्रयास जारी रहेंगे, जिससे हर नागरिक को समय पर न्याय और सुविधाएं मिल सकें।

आज अक्षय तृतीया पर निकलेगी भगवान चंद्रप्रभु की रथयात्रा, धार्मिक आयोजन होंगे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाकोड़ा नगर स्थित 1008 श्री चंद्रप्रभु एवं नवदेवता जिनायतन में आज रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भव्य रथयात्रा महोत्सव का आयोजन होगा। मुनि सेवा समिति एवं सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में नगर के श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ सम्मिलित होंगे। इस गरिमामयी महोत्सव का आयोजन आचार्य 108 कीर्ति सागर महाराज, आर्यिका 105 श्री समर्थ श्री माताजी एवं आर्यिका 105 श्री सार्थक श्री माताजी के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। महोत्सव के मुख्य प्रतिष्ठाचार्य पं. विजयकुमारजी गांधी होंगे, जिनके निर्देशन में सभी धार्मिक क्रियाएँ विधि-विधान पूर्वक पूर्ण की जाएंगी। प्रातः 06~00 बजे निज मंदिर में भगवान का अभिषेक होगा,जबकि प्रातः 07~00 बजे भव्य रथयात्रा मंदिर जी से निकलेगी जिसका समापन पुनः मंदिर जी पर होगा। प्रातः 08~30 बजे~ अभिषेक, शांतिधारा एवं मंगल प्रवचन होंगे। दोपहर 02~00 बजे~ आदिनाथ विधान का आयोजन ,सायं 06~45 बजे~ 48 दीपकों के साथ भक्तिमय %भक्तामर आराधना% होगी। समस्त धार्मिक अनुष्ठानों के पश्चात %आनंद यात्रा% का विशेष आयोजन रखा गया है। कार्यक्रम के दौरान प्रभावना के लाभार्थी स्वर्गीय श्रीमती श्रीकांता देवी अग्रवाल एवं स्वर्गीय श्री किरणमलजी (बल्लू सेठ) अग्रवाल परिवार होगा। मुनि सेवा समिति एवं सकल दिगंबर जैन समाज, मंदसौर ने सभी धर्मानुरागी बंधुओं से निवेदन किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर रथयात्रा में सम्मिलित हों और धर्म लाभ प्राप्त करें। यह जानकारी डॉक्टर एसएम जैन द्वारा दी गई।

मोरवन में जनसहयोग से कुएं की मरम्मत एवं सफाई की स्वच्छ हुआ पेयजल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में नीमच जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के कार्य एवं पेयजल स्त्रोतों की साफ-सफाई का विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में जनपद पंचायत जावद की ग्राम पंचायत मोरवन में पेयजल कुएं की जल गंगा संवर्धन अभियान तहत साफ सफाई एवं मरम्मत का कार्य किया गया। सचिव श्री रामप्रसाद तथा पंचायत पदाधिकारियों, ग्रामीणों, सर्वश्री जगदीश, भारत, राहुल, मदनलाल, कन्हैयालाल, राकेश सहित अन्य ग्रामीणों के सहयोग से पुराने कुएं की पाल की मरम्मत की गई एवं कुएं के अंदर से साफ-सफाई की गई।

अभियान के पूर्व इस कुएं की पाल जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थी तथा साफ-सफाई का अभाव था। ग्राम पंचायत द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से कुएं की पाल की मरम्मत एवं सफाई कार्य कराया गया है। अब इस कुएं में जल स्वच्छ दिखाई दे रहा है।

आईपीएल सट्टे के मास्टर माइंड्स पर नीमच पुलिस का प्रहारः नीलेश गिरफ्तार, कोमल सरदार और मनीष पुस्तक समेत तीन बड़े नाम फरार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आईपीएल की चकाचौंध के बीच सट्टे का काला कारोबार करने वालों के खिलाफ नीमच केंट पुलिस ने बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा आईडी बांटने और लाखों का दांव लगवाने वाले एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है, जबकि शहर के तीन अन्य रसूखदार नाम इस मामले में फरार बताए जा रहे हैं।

मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी- एसपी अंकित जायसवाल के निर्देशन और केंट थाना प्रभारी सौरभ शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने 17 अप्रैल की शाम श्रीराम अस्पताल के पास घेराबंदी की। यहाँ से तिरुपति नगर निवासी नीलेश पिता भेरूलाल आर्य (25) को दबोचा गया। तलाशी लेने पर उसके मोबाइल में ऑनलाइन सट्टे का पूरा काला चिट्ठा खुल गया।

मोबाइल में मिला 16 लाख का हिसाब- पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वन प्लस कंपनी के मोबाइल जब्त किए हैं। जाँच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं- आरोपी Lotus Master, GB Online जैसी वेबसाइट्स के जरिए सट्टा संचालित कर रहा था। जब्त आईडी में करीब 16 लाख रुपये के लेन-देन का हिसाब मिला है। नीलेश न केवल खुद सट्टा खेल रहा था, बल्कि लोगों को मोटी कमाई का लालच देकर उन्हें सब-आईडी भी बांट रहा था।

इन बड़े खिलाड़ियों की तलाश में पुलिस- गिरफ्तार आरोपी नीलेश ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वह अकेला नहीं है। इस सिंडिकेट के तार शहर के अन्य बड़े सटोरियों से जुड़े हैं। पुलिस ने इस मामले में तीन मुख्य सूत्रधारों को फरार घोषित किया है~ इनमें विजय तिवारी (निवासी इंद्रानगर) जिसने नीलेश को मोबाइल और आईडी उपलब्ध कराई थी, दूसरा हरप्रीत सलूजा उर्फ कोमल सरदार जिसने लोट्स बुक और अन्य मास्टर आईडी मुहैया कराई थीं और तीसरा मनीष उर्फ मनीष पुस्तक (पामेचा) जिसके जरिए भी ऑनलाइन सट्टा आईडी का नेटवर्क चलाया जा रहा था।

पुलिस की चेतावनी- थाना प्रभारी सौरभ शर्मा ने बताया कि फरार आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें रवाना कर दी गई हैं। सउनि अखिलेश घोंगडे और उनकी टीम की इस कार्रवाई से सट्टा बाजार में हड़कंप मचा हुआ है।

आईपीएल के दौरान जुआ और सट्टे पर अंकुश लगाने के लिए अभियान जारी रहेगा। अवैध गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

- सोरभ शर्मा, थाना प्रभारी, नीमच केंट

चार थानों एवं एक चौकी के प्रभारियों में बदलाव, गांधीसागर थाने से 5 पुलिसकर्मी लाइन पदस्थ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना ने शनिवार को अपने महकमे के चार थानों के प्रभारियों में बदलाव किया है। साथ ही एक चौकी प्रभारी को थाने का जिम्मा देकर उनकी जगह लाइन में पदस्थ उपनिरीक्षक को चौकी की जिम्मेदारी दी गई है। जानकारी के अनुसार शनिवार को जारी लिस्ट में सुवासरा थाने के निरीक्षक अनिल सिंह रघुवंशी के विधानसभा क्षेत्र बदलकर मल्हारगढ़ विधानसभा के मुख्यालय में मल्हारगढ़ थाने का प्रभारी बनाया है। पूर्व में भी अनिल रघुवंशी मल्हारगढ़ विधानसभा के ही नारायणगढ़ थाने को संभाल रहे थे, जहां से उनका तबादला सुवासरा विधानसभा के मुख्यालय में सुवासरा थाने का जिम्मा दिया गया था। वैसे, सुवासरा थाने में पदस्थापना पर रघुवंशी चर्चाओं में रहे थे। इसके अलावा गरोठ विधानसभा के मुख्यालय गरोठ थाने की कमान संभाल रहे निरीक्षक हरीश मालवीय को अफजलपुर थाने की नई जवाबदारी दी गई है। अफजलपुर थाना भी मल्हारगढ़ विधानसभा में आता है। अफजलपुर थाने की कमान संभाल रहे उपनिरीक्षक शैलेन्द्र सिंह कनेश को विगत दिवस प्रशासकीय कार्य के हवाले पुलिस लाइन में पदस्थ कर दिया गया था। इसके साथ ही गरोठ थाने की जवाबदारी लाइन में पोस्टेड निरीक्षक राजेंद्र सिंह बघेल की सौंपी गई है। वहीं भैंसोदा मंडी चौकी में पदस्थ उपनिरीक्षक बलवीर यादव को गरोठ थाने का मुखिया बनाया गया है। उनके स्थान पर लाइन में पदस्थ उपनिरीक्षक धर्मेश यादव को भैंसोदा मंडी चौकी प्रभारी की नई जवाबदारी मिली है। पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना ने शनिवार को गांधीसागर थाने से पांच पुलिसकर्मी को सीधे लाइन भेजा है, हालांकि उनकी जगह अन्य पुलिसकर्मी की पदस्थापना अभी नहीं की गई है।

सम्पादकीय

नफरत, युद्ध और कराहती मानवता

विश्व युद्ध की आशंका से पूरी दुनिया की मानवता पूरी तरह से सहमी हुई है। रूस-यूक्रेन, इसराइल-हमास-फिलिस्तीन युद्ध और अब इसराइल ईरान अमेरिका का भयावह संग्राम पता नहीं पृथ्वी पर उसके निवासियों को किस अशांति और हिंसा की दिशा में ले जाएगा ? भारत ने पहलगाम में आतंकवादी हमले से 27 निरीह लोगों की हत्या के परिणाम स्वरूप जवाबी कार्रवाई पर ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों तथा लगभग 21 हवाई ठिकानों को नष्ट करना पड़ा तब जाकर पाकिस्तान घुटनों पर आया और संधि वार्ता के लिए रहम की भीख मांगता रहा। इसराइल पर हमास ने आतंकवादी हमला कर 1200 लोगों की जान ले ली उसे आतंकवादी हमले के जवाब में इजरायल हमास तथा गाजा पट्टी को समूल नष्ट करने पर उतारू है और वर्तमान स्थिति में इजरायल ईरान और अमेरिका के महायुद्ध ने वैश्विक परिदृश्य में पूरी दुनिया को बारूद के ढेर पर बैठा दिया है।

अमेरिका ने ईरान के परमाणु ईंधन संग्रहण ठिकानों पर बुरी तरह से हमला करके ईरान इजरायल युद्ध में आग में घी का काम कर दिया, जवाब में ईरान ने इजरायल के 14 शहरों में अपनी बैलिस्टिक टारगेटेड मिसाइल से हमला करके अपनी युद्ध नीति के जारी रखने की नियत को स्पष्ट कर दिया है। अमेरिका के इजरायल की तरफ से ईरान पर अनावश्यक आक्रमण से ईरान की तरफ से अब उत्तर कोरिया, रूस और चीन भी इस महासंग्राम में शामिल होते दिखाई दे रहे हैं। दूसरी तरफ रूस ने यूक्रेन पर अपनी विस्तारवादी सनक के कारण ताबड़तोड़ हमले किये, ताजा स्थिति में जब यूक्रेन के सैकड़ो ड्रोन अटैक से उसके कई फाइटर जेट नष्ट हुए हैं। नतीजतन रूस ने भी यूक्रेन पर लगातार श्रृंखला में आक्रमण शुरू कर दिया है।

किसी देश की विस्तारवादी लालसा को भी आतंकवाद की श्रेणी में रखा जा सकता है, अपनी भौगोलिक सीमाओं का विस्तार भी आतंकवाद है।अपनी भौगोलिक सीमाओं को आगे ले जाना और अपनी देश की पड़ोसी देश की इच्छा के विरुद्ध उसे पर हमला करना भी एक तरह का राजनीतिक आतंकवाद ही है। इन सब के प्रणाम स्वरूप विश्व युद्ध को विकल्प के तौर पर नहीं माना जाना चाहिए विश्व युद्ध मानवता के लिए एवं मानवीय जगत के लिए अभिशाप भी माना जाता है। हमलायुद्ध और हिंसा क्रोध से शुरू होकर पश्चाताप और दुखों के चिंतन में खत्म होता है। मौजूदा रूप से इसराइल हमास युद्ध में हजारों लोगों की जानें चली गई और लाखों फिलिस्तीनी लोग बेघर हो गए, ईरानी राष्ट्रपति रईस की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत भी इसराइल की प्रति हिंसा का परिणाम माना जा रहा है विस्तृत जांच होना शेष है।

युद्ध अभी तक थमा नहीं है युद्ध की चिंगारी एक दूसरे आक्रमण करने से भड़कती नजर आ रही है न जाने इसका अंजाम क्या होगा। इसी तरह रूस और यूक्रेन युद्ध कि इतने दिनो से ज्यादा के युद्ध की परिणति में शिवाय पश्चाताप के कुछ नहीं हैद्य रूस अपने सनकी राष्ट्रपति पुतिन की जिद की बलि चढ़ गया है। वह यूक्रेन से जीत कर भी मानसिक और वैचारिक रूप से हार गया हैद्य रूस अपने को जितना बलशाली, शक्तिशाली समझता था अब उसकी पोल खुल गई है, 3 सालों में युद्ध में रूस यूक्रेन जैसे छोटे देश को जीत नहीं पाया हैद्य यूक्रेन भी अपनी राष्ट्रपति की हठधर्मिता के कारण पूर्ण रूप से बर्बाद हो चुका है. यूक्रेन के 1करोड़40लाख नागरिक देश छोड़कर शरणार्थी बन चुके हैं। 40 हजार इमारतें बर्बाद हुई 20 लाख बच्चे घरों से दूर होकर शिक्षा से वंचित हो गए। ईसी तरह यूक्रेन तथा रूस के लगभग 50 हजार सैनिक युद्ध में मारे गए है।यह युद्ध की विभीषिका कहां तक जाएगी इसका आकलन करना तो कठिन है पर इसके परिणाम अत्यंत अमानवीय,कारुणिक और आर्थिक नुकसान देने वाले साबित हुए हैं। रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन के तथाकथित दोस्तों अमेरिका तथा नैटो देशों ने सक्रियता से मैदान में साथ नहीं दिया, केवल दूर से यूक्रेन को शाबाशी देते रहे यूक्रेन अब संपूर्ण बर्बादी के कगार पर है। रूस का उसके अपने ही राष्ट्र में युद्ध के खिलाफ विरोध के स्वर उभर रहे हैं। नोबेल पुरस्कार प्राप्त पत्रकार ने अपने पूर्व में प्राप्त नोबेल पुरस्कार मेडल को बेचने का ऐलान किया है एवं यूक्रेन में मरने वाले हजारों बच्चों के हित में वह धनराशि रेड क्रॉस को प्रदान करेगा। पत्रकार ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का रूस की जनता अंदरूनी तौर पर विरोध करती है एवं भारी असंतोष भी हैद्य मैं आपको रूस यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि का इतिहास बताता हूं। यूक्रेन एक छोटा सा राज्य है, उसकी सैन्य शक्ति भी इतनी क्षमतावान नहीं है कि रूस या अन्य शक्तिशाली देश का सैन्य मुकाबला कर सके,पर अमेरिका, ब्रिटेन और नाटो के 30 देशों के बहकावे में आकर उसने रूस को नाराज करना शुरू कर दिया था। यूक्रेन को यकीन था कि रूस के आक्रमण के समय अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इजरायल और नाटो के कई देश उसकी रक्षा करेंगे, पर ताकतवर,शक्तिमान रूस के हमले के सामने ना तो अमेरिका ने अपना सैन्य आक्रमण किया ना ब्रिटेन ने अपनी सेना ही भेजी और ना ही अन्य नाटो देश में रूस के खिलाफ किसी तरह की जंग ही की है ,केवल दूर से बैठकर समझौते करने की बात करते रहे और रूस के आक्रमण की निंदा ही की है।

अक्षय तृतीया आत्मस्वरुप अक्षयपद को प्राप्त करने का सर्वोत्तम अवसर

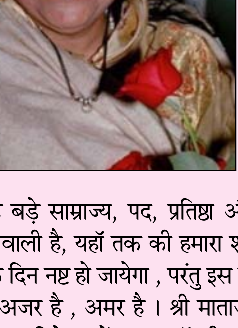

संपूर्ण भारत वर्ष में 'अक्षय तृतीया' का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता है । अक्षय तृतीया साढ़े तीन मुहूर्तो में से एक शुभ मुहूर्त है, मान्यता है कि इस दिन परमपिता परमेश्वर से हम जो कुछ भी शुद्ध इच्छा रख कर मांगते हैं, वो हमें अक्षय रूप में मिलता है। 'अक्षय' शब्द का अर्थ है , जिसका कभी भी क्षय नहीं होता, जो कभी भी नष्ट नहीं होता , और इस संसार में सारी चीजें जैसे की बड़े बड़े साम्राज्य, पद, प्रतिष्ठा और सारी भौतिक समृध्दि एक दिन नष्ट होनेवाली है, यहॉ तक की हमारा शरीर जो पंच महाभूतों से बना है, वो भी एक दिन नष्ट हो जायेगा , परंतु इस शरीर के हृदय में स्थित आत्मतत्व अक्षय है ,अजर है , अमर है । श्री माताजी कहते हैं , हमारा मॉगना शुद्ध स्वरूप होना चाहिये । हमें शुभता मॉगनी चाहिये, परमात्मा की कृपा से हमें जो कुछ भी मिलता है, उसके बदले में हमने परमात्मा को क्या दिया? इसलिये हमे जो कुछ भी मिला है, इसे परमात्मा के 'गौरव' मे इस्तेमाल करना चाहिये । सहजयोग मे आत्मतत्व की प्राप्ती होना 'अक्षयपद' है परंतु इसे प्राप्त करने में बड़े प्रलोभन है । सहयोगियों को पद, प्रतिष्ठा, पैसा, सुंदरता सबकुछ मिल जाता है परंतु ये अक्षयपद नहीं है । अक्षयपद एक स्थिती है । जो ध्रुव ने मॉगी थी और आज भी आकाश में चमक रहे हैं । भक्त प्रल्हाद ने अक्षय पद मॉगा था, तो उन्होने गीता का यह वचन '' नैनं छिन्दति शस्त्राणि'' सिद्ध कर दिया । अक्षय पद पाने पर सारी चीजें अक्षय हो जाती हैं, दृष्टि बदल जाती है ,विचार धारा बदल जाती है , भारत योग भूमी है, और भारत के सारे साधु संतों ने, मनीषीयों ने आत्मतत्व रूपी अक्षय पद को प्राप्त करने के लिए ही साधना का मार्ग चुना।

यह बात आज सभी को समझनी होगी । तभी विश्वशांति प्रस्थापित होगी । श्री माताजी कहते हैं, परदेश के सहजयोगी जब भारत आते है , तो इस मिट्टी से आनेवाले चैतन्य को तुरंत पहचानते हैं और अपनी अध्यात्मिक उन्नति को बड़ी गंभीरता से लेते हैं, उनके जीवन मे एक ही लक्ष्य रहता है, 'अक्षय पद' प्राप्त करना । तो इस अक्षय पद को प्राप्त करते समय ढोंग , बनावट नहीं चाहिये, अक्षय पद झेलने की क्षमता भी होनी चाहिये । जो आप बर्दास्त कर सकें वही मिलेगा । परमचैतन्य सबकुछ जानता है, आपको प्रलोभन में भी डाल सकता है, तो आपको सदैव सतर्क रहना होगा , सहजयोग में अक्षय पद की ही मॉग करनी चाहिये । श्री माताजी कहते हैं, आज के कांटों भरे कलियुग में सहज के गुलाब खिल रहे हैं। आपको आनंद विभोर होकर अपनी स्थिती का मजा उठाना चाहिये । इस आत्मानंद के बारे में भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं , जिस किसी साधक को यह अक्षयपद प्राप्त होता है, वह उस अक्षयपद को परमपद समझता है। उसके जीवन में और कुछ पाना बाकी नही रह जाता । और जो स्थित हो जाता है,तो वो मेरुपर्वत जैसे दुःखों में भी विचलित नहीं होता अपनी आत्मा में लीन होकर अपने ही स्वरुप का आनंद उठाता है।

अधर्म से कभी समझौता न करने वाला दिव्य प्रश्न – भगवान परशुराम

जब समय की धड़कनें असंतुलन की ओर झुकने लगती हैं, जब धर्म केवल ग्रंथों के शब्दों में सीमित होकर रह जाता है और अधर्म सत्ता के सिंहासन पर बैठकर निरंतर मानवता को कुचलने लगता है–तब इतिहास अपने भीतर से एक ऐसी अद्भुत शक्ति को जन्म देता है जो युगों की दिशा को बदल देने की क्षमता रखती है। परशुराम उसी दिव्य शक्ति के प्रतीक हैं। वे न केवल ऋषि-पुत्र हैं, न केवल एक महान योद्धा–वे उस जाग्रत चेतना का साक्षात स्वरूप हैं जो अन्याय और अत्याचार के सामने कभी भी मौन या निष्क्रिय नहीं रहती। परशुराम जयंती केवल एक स्मरण दिवस नहीं, बल्कि गहन आत्ममंथन का अवसर है कि क्या आज भी समाज में अन्याय के विरुद्ध वही प्रखर अग्नि जीवित है या फिर वह केवल पौराणिक कथाओं तक ही सीमित होकर रह गई है।

जब ब्रह्मांडीय संतुलन डगमगाने लगा और क्षत्रिय सत्ता के अहंकार ने ऋषियों की तपोभूमि का अपमान करना प्रारंभ किया, तब महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के घर एक ऐसे बालक का जन्म हुआ, जिसमें अग्नि और संयम का अद्भुत संगम था। भगवान विष्णु के अंशावतार परशुराम ने न कभी राजसी वैभव देखा, न ही विलासिता का आकर्षण–उनका पालन-पोषण एक साधारण तपोवन में हुआ। भगवान शिव की कृपा से प्राप्त दिव्य परशु उनके हाथों में केवल एक शस्त्र नहीं रहा, बल्कि धर्मरक्षा का शक्तिशाली प्रतीक बन गया। उनका बाल्यकाल ही यह संकेत देने लगा था कि यह साधारण बालक नहीं, बल्कि एक ऐसे युग-परिवर्तन की भूमिका है जो स्थापित व्यवस्था को गहराई से झकझोर देगा।

परशुराम के जीवन में निर्णायक मोड़ तब आया जब हैहय वंश के प्रतापी किंतु अत्यंत अहंकारी राजा कार्तवीर्य अर्जुन ने महर्षि जमदग्नि के आश्रम पर आक्रमण कर दिया। कामधेनु गाय का बलपूर्वक अपहरण किया गया, आश्रम की पवित्रता भंग की गई और ऋषि का गहरा अपमान हुआ। जब परशुराम लौटे तो उनके भीतर वर्षों से संचित संयम की सीमा टूट चुकी थी। उन्होंने भीषण युद्ध में राजा की हजार भुजाओं का अंत कर दिया। किंतु यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं हुआ। प्रतिशोध की अगली लहर में उनके पिता की निर्मम हत्या कर दी गई, जिसने उनके जीवन को एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया जहाँ व्यक्तिगत पीड़ा और धर्मरक्षा का दायित्व एक साथ जुड़ गए।

पिता की निर्मम हत्या ने परशुराम के अंतःकरण में एक ऐसा प्रचंड संकल्प प्रज्वलित किया, जिसकी गूंज इतिहास में अमिट बन गई। उन्होंने अन्यायपूर्ण क्षत्रिय सत्ता के संपूर्ण विनाश का व्रत लिया और उसे केवल घोषणा नहीं रहने दिया, बल्कि अपने अद्भुत शौर्य और अडिग कर्म से साकार कर दिखाया। मान्यता है कि उन्होंने इक्कीस बार पृथ्वी को अत्याचारी क्षत्रियों के भार से मुक्त किया। यह केवल विनाश की कथा नहीं, बल्कि एक कठोर उद्घोष था कि जब शक्ति धर्म और मर्यादा से विचलित हो जाती है, तब उसका पतन निश्चित होता है। समंतपंचक जैसे पावन स्थलों की गाथाएँ इसी भीषण संघर्ष की साक्षी हैं, जहाँ धर्म और अधर्म के बीच निर्णायक संग्राम घटित हुआ।

परशुराम केवल संहार के प्रतीक नहीं थे, वे ज्ञान, अनुशासन और शिक्षा के भी परम आचार्य थे। महाभारत काल में उन्होंने भीष्म पितामह, आचार्य द्रोण और कर्ण जैसे महान योद्धाओं को शस्त्रविद्या का गहन और दिव्य ज्ञान प्रदान किया। उनका जीवन यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि वास्तविक शक्ति केवल युद्ध कौशल में नहीं, बल्कि ज्ञान के सही मार्गदर्शन, संयम और नैतिक आधार में भी निहित होती है। भगवान श्रीराम से उनका दिव्य मिलन भी अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरक प्रसंग है, जहाँ उनका प्रारंभिक क्रोध श्रीराम की मर्यादा और दिव्यता के समक्ष शांत होकर विनम्रता में परिवर्तित हो गया। यह घटना यह सिद्ध करती है कि सच्चा ज्ञान वही है जो अहंकार को भी मिटाकर उसे विनम्रता और संतुलन में बदल दे।

कर्तव्य और पितृभक्ति की कठोर परीक्षा में परशुराम का जीवन एक अद्भुत उदाहरण बन गया। एक बार उनके पिता महर्षि जमदग्नि के आदेश ने माता रेणुका के प्रति कठिन स्थिति उत्पन्न की, और परशुराम ने बिना संशय या विलंब के पिता की आज्ञा का पालन किया। यह प्रसंग उनकी अटूट कर्तव्यनिष्ठा और आज्ञाकारिता को प्रकट करता है। आगे चलकर उन्हें दिव्य वरदान प्राप्त हुआ, जिससे जीवन में संतुलन पुनः स्थापित हुआ। अंततः उन्होंने संपूर्ण पृथ्वी का दान महर्षि कश्यप को देकर स्वयं को सांसारिक मोह और बंधनों से मुक्त कर लिया तथा महेंद्र पर्वत पर गहन तपस्या में लीन हो गए। यह यात्रा उनके जीवन के संघर्षमय चरण से आध्यात्मिक शांति और वैराग्य की ओर रूपांतरण का प्रतीक है।

वर्तमान समय में परशुराम का चरित्र केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि गहरी नैतिक दिशा और जीवन-दृष्टि का प्रतीक है। वे यह संदेश देते हैं कि शक्ति का वास्तविक उद्देश्य विनाश नहीं, बल्कि धर्म और न्याय की स्थापना होना चाहिए। उनका कुल्हाड़ा मात्र एक अस्त्र नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध जाग्रत चेतना और साहस का प्रतीक है। आज के समाज में, जहाँ नैतिकता और शक्ति का संतुलन बार-बार डगमगाता दिखाई देता है, वहाँ परशुराम का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है कि क्रोध को भी धर्म की दिशा मिलनी चाहिए और ज्ञान को सदैव कर्म का आधार बनना चाहिए।

धर्म, साहस और आत्मजागरण के संगम पर परशुराम जयंती केवल एक पर्व नहीं, बल्कि अंतःकरण को जाग्रत करने वाली चेतना है। यह दिन हमें यह दृढ़ प्रतिज्ञा लेने का अवसर देता है कि हम अन्याय के सम्मुख कभी मौन नहीं रहेंगे, सत्य के पथ से कभी विचलित नहीं होंगे और शक्ति को सदैव धर्म, रक्षा एवं न्याय की स्थापना का माध्यम बनाएंगे। उनका जीवन इस शाश्वत सत्य को उद्घाटित करता है कि वास्तविक मनुष्य वही है जो ज्ञान की गहराई और पराक्रम की प्रचंडता को एक साथ साध सके। जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारते हैं, तभी यह पर्व सार्थक बनता है और धर्म की वह दिव्य ज्योति पुनः प्रज्वलित होकर संपूर्ण समाज को आलोकित करती है। जय भगवान परशुराम।

–प्रो. आरके जैन

महिला हित की अनदेखी, फिर से ठंडे बस्ते में चला गया आरक्षण

महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक दो तिहाई बहुमत के अभाव में लोकसभा से पारित नहीं हो सका। इसी के साथ एक तरह से महिला आरक्षण फिर से ठंडे बस्ते में चला गया। कहना कठिन है कि अब वह कब लागू हो सकेगा। यदि पक्ष-विपक्ष के बीच निकट भविष्य में कोई सहमति नहीं बनती तो आसार यही हैं कि महिला आरक्षण 2034 के लोकसभा चुनाव के पहले क्रियान्वित नहीं हो सकता।

महिला आरक्षण में और अधिक देरी दुर्भाग्य की ही बात होगी। ध्यान रहे महिला आरक्षण के सपने को साकार करने में पहले ही बहुत देर हो चुकी है। महिला आरक्षण का विचार करीब तीन दशक पहले राजनीतिक विमर्श का विषय बना था।

इसके बाद सभी दल महिला आरक्षण के पक्ष में बातें तो करते रहे, लेकिन वे उसके लिए मन से तैयार नहीं हुए। इसी कारण महिला आरक्षण संबंधी विधेयक कई बार संसद में पेश होने के बावजूद आगे नहीं बढ़ सका।

अंततः 2023 में वह सभी दलों की सहमति से परित तो हुआ, पर इस प्रविधान के साथ कि उसे 2029 के आम चुनाव में लागू किया जाएगा। इसका कारण 2021 में होने वाली जनगणना में विलंब होना रहा। चूंकि नई जनगणना अब जाकर शुरू हुई है और उसके नतीजे आने में समय लगेगा, इसलिए मोदी सरकार ने अगले आम चुनावों से ही महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने और विपक्ष की आपत्तियों को दूर करने के लिए यह फार्मूला रखा कि सभी राज्यों की लोकसभा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि करके महिला आरक्षण को लागू किया जाए।

पता नहीं क्यों विपक्ष को सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि का फार्मूला रास नहीं आया, जबकि इससे किसी भी राज्य और विशेष रूप से दक्षिण के राज्यों के राजनीतिक हितों की कोई क्षति नहीं होने जा रही थी। अच्छा होता कि विपक्ष नई जनगणना और उस पर आधारित परिसीमन के आधार पर महिला आरक्षण लागू करने की अपनी जिद का परित्याग करता, क्योंकि यदि जनसंख्या के आधार पर महिला आरक्षण लागू किया जाता है तो कम आबादी वाले दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के राज्य तो राजनीतिक रूप से नुकसान में ही रहेंगे।

जहां तक विपक्ष की यह मांग है कि महिला आरक्षण में विभिन्न वर्गों के लिए अलग से आरक्षण लागू किया जाए तो इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि 2023 में ऐसी कोई मांग नहीं की गई थी। महिला आरक्षण संबंधी संशोधन विधेयक पारित न होने से विपक्ष अपनी जीत की घोषणा अवश्य करेगा, लेकिन ऐसा करके वह देश की महिलाओं को मायूस ही करेगा।

निश्चित रूप से सत्ता पक्ष को झटका लगा है, लेकिन उसे यह प्रचार करने का अवसर हाथ भी लगा है कि विपक्ष ने महिला आरक्षण लागू नहीं होने दिया और इस तरह आधी आबादी की आशाओं पर तुषारापात किया।

–धनंजय राजौरा

अक्षय तृतीया पर्व है लोक से लोकोत्तर की दिव्य यात्रा

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर-दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। अक्षय शब्द का अर्थ है कभी न खत्म होने वाला। संस्कृत में, अक्षय शब्द का अर्थ है 'समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता', जबकि तृतीया का अर्थ है 'चंद्रमा का तीसरा चरण'। इस त्यौहार के साथ-साथ एक अबूझा मांगलिक एवं शुभ दिन भी है, जब बिना किसी मुहूर्त के विवाह एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मांगलिक ढांचों में ढले अक्षय तृतीया पर्व में हिन्दू-जैन धर्म, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनूठा संगम है। इस प्रकार अक्षय तृतीया पर किए गए कार्यों जैसे जप-तप, यज्ञ, पितृ-तर्पण, दान-पुण्य आदि का साधक को अक्षय फल प्राप्त होता है। भगवान आदिनाथ ने ही सबसे पहले समाज में दान का महत्व समझाया था, इसलिए इस दिन पर जैन धर्म के लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषधि दान करते हैं। रास्ते चाहे कितने ही भिन्न हों पर इस पर्व त्यौहार के प्रति सभी जाति, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय और धर्मों का आदर-भाव अभिन्नता में एकता का प्रिय संदेश दे रहा है। आज के युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा एवं अशांति के समय में संयम एवं तप की, भौतिकता एवं आध्यात्मिकता की अक्षय परम्परा को जन-जन की जीवनशैली बनाने की जरूरत है।

अक्षय तृतीया यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय चेतना की उस अखंड धारा का प्रतीक है, जो जीवन को क्षणभंगुरता से उठाकर 'अक्षयता' की ओर ले जाती है। 'अक्षय' अर्थात् जो कभी क्षीण न हो, जो निरंतर प्रवहमान रहे, ऐसी ही भावना का यह पर्व है, जो हमारे लौकिक व्यवहार से लेकर लोकोत्तर साधना तक, हर स्तर पर गहन अर्थ रखता है। यह दिन केवल शुभारंभ का नहीं, बल्कि आत्मारंभ का भी दिन है। भारतीय परंपरा में अक्षय तृतीया को 'अबूझ मुहूर्त' कहा गया है- अर्थात् ऐसा समय, जिसमें किसी विशेष गणना या ज्योतिषीय विचार की आवश्यकता नहीं होती। यह स्वयं ही शुभता का पर्याय है। यही कारण है कि इस दिन विवाह, गृहप्रवेश, व्यापारारंभ जैसे अनेक मांगलिक कार्य बिना किसी संकोच के सम्पन्न किए जाते हैं। यह विश्वास केवल आस्था नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक अनुभव का परिणाम है, जिसने इस दिन को 'सर्वसिद्धिदायक' मान्यता प्रदान की है।

लौकिक दृष्टि से देखें तो अक्षय तृतीया भारतीय अर्थव्यवस्था और श्रम-संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है। यह दिन किसानों के लिए नई आशा का संदेश लेकर आता है। प्राचीन काल में राजाओं द्वारा श्रेष्ठ किसानों को बीज भेंट करने की परंपरा केवल सम्मान का प्रतीक नहीं थी, बल्कि कृषि को राष्ट्र की आत्मा मानने का सजीव प्रमाण थी। यह विश्वास कि इन बीजों से उत्पन्न अन्न कभी समाप्त नहीं होगा, दरअसल उस श्रम और प्रकृति के समन्वय पर आस्था थी, जो भारतीय जीवन का आधार है। कुम्हारों, शिल्पकारों, पशुपालकों-विशेषकर बैलों के लिए भी यह दिन विशेष महत्व रखता है। यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि सृजन, श्रम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ही समृद्धि का वास्तविक आधार है। किन्तु अक्षय तृतीया का वास्तविक सौंदर्य उसके लोकोत्तर आयाम में प्रकट होता है, जहाँ यह पर्व आत्मशुद्धि, तप और साधना का महापर्व बन जाता है। जैन परंपरा में यह दिन विशेष रूप से पूज्य है, क्योंकि इसका संबंध प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जीवन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना से जुड़ा हुआ है। यह वह दिन है, जब दीर्घकालीन तपस्या के उपरांत उनका पारणा हुआ, एक ऐसा क्षण, जिसने तप को तृप्ति और साधना को पूर्णता प्रदान की।

कथा के अनुसार, जब भगवान ऋषभदेव ने राजपाट त्यागकर संन्यास धारण किया, तब एक वर्ष से अधिक समय तक उन्हें उचित आहार नहीं मिला। यह केवल भौतिक अभाव नहीं था, बल्कि उस युग की सामाजिक अपरिपक्वता का द्योतक था, जहाँ लोग 'अहिंसक आहार' और 'संयमित जीवन' की अवधारणा से अनभिज्ञ थे। अंततः हस्तिनापुर में राजकुमार श्रेयांस ने उन्हें इक्षुरस अर्पित कर उनकी तपस्या का पारणा कराया। उस क्षण 'अहोदानम्, अहोदानम्' की ध्वनि गूंजी, यह केवल एक आह्लाद नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक चेतना का उद्घोष था, जिसने दान, संयम और साधना को एक नई दिशा दी। यही कारण है कि अक्षय तृतीया जैन साधकों के लिए 'वर्षीतप' जैसे महान तप-अनुष्ठानों का पूर्णाहुति दिवस है। एक वर्ष तक एकान्तर उपवास करने वाले साधक इस दिन पारणा करते हैं। यह तप केवल शरीर को कष्ट देने का साधन नहीं, बल्कि आत्मा को निर्मल करने की प्रक्रिया है। यह हमें सिखाता है कि भोग से नहीं, त्याग से जीवन अक्षय बनता है।

अक्षय तृतीया का आध्यात्मिक संदेश अत्यंत गहन है। यह हमें बताता है कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल संसाधनों का संचय नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि है। भारतीय संस्कृति में 'आत्मा' को सर्वोपरि सत्य माना गया है, और उसकी खोज को जीवन की सर्वोच्च साधना। यह पर्व उसी खोज का निमंत्रण है, एक ऐसा निमंत्रण, जो हमें बाह्य जगत से भीतर की यात्रा पर ले जाता है। ऋषभदेव का जीवन इस संदर्भ में अत्यंत प्रेरणादायक है। 'ऋषभ' शब्द का एक अर्थ बैल भी है-जो श्रम, धैर्य और स्थिरता का प्रतीक है और दूसरा अर्थ है तीर्थंकर-जो आत्मोद्धार और लोकमंगल का मार्ग प्रशस्त करता है। इस प्रकार उनका जीवन भौतिक और आध्यात्मिक-दोनों आयामों का अद्भुत समन्वय है। उन्होंने समाज को कृषि, शिल्प, व्यापार जैसी जीवनोपयोगी विधाएं दीं, और साथ ही आत्मा की मुक्ति का मार्ग भी दिखाया। यही समग्रता अक्षय तृतीया के दर्शन में भी झलकती है।

आज के संदर्भ में यह पर्व और भी प्रासंगिक हो उठता है। जब मानव जीवन भौतिक उपलब्धियों की दौड़ में उलझा हुआ है, तब अक्षय तृतीया हमें संतुलन का पाठ पढ़ाती है। यह हमें याद दिलाती है कि केवल भौतिक समृद्धि से जीवन पूर्ण नहीं होता। यदि भीतर शांति नहीं, तो बाहरी वैभव भी निरर्थक है। और यदि भीतर संतोष है, तो सीमित साधनों में भी जीवन अक्षय बन सकता है। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि साधना केवल मठों और आश्रमों तक सीमित नहीं है। यह जीवन की प्रत्येक क्रिया में संभव है, यदि उसमें सजगता, संयम और समर्पण का भाव हो। एक किसान जब श्रद्धा से बीज बोता है, एक कुम्हार जब मिट्टी को आकार देता है, एक गृहस्थ जब ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करता हैकृतब वह भी एक प्रकार की साधना ही कर रहा होता है।

अक्षय तृतीया का सांस्कृतिक महत्व भी अत्यंत व्यापक है। यह पर्व भारतीय जीवन की उस समन्वयकारी दृष्टि का प्रतीक है, जिसमें भौतिकता और आध्यात्मिकता विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। यहाँ अन्न का भी सम्मान है और आत्मा का भी। यहाँ श्रम का भी महत्व है और ध्यान का भी। यही संतुलन भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है। व्यक्तिगत स्तर पर यह दिन आत्ममंथन का अवसर प्रदान करता है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम अपने जीवन में झांकें, क्या हमारा जीवन केवल उपभोग में व्यतीत हो रहा है, या उसमें कोई उच्च उद्देश्य भी है? क्या हम केवल संग्रह कर रहे हैं, या कुछ त्याग भी कर पा रहे हैं? क्या हम केवल बाहर की दुनिया को संवार रहे हैं, या भीतर की दुनिया को भी प्रकाशित कर रहे हैं?

अक्षय तृतीया हमें यह संदेश देती है कि यदि हम अपने जीवन में तप, संयम और सेवा को स्थान दें, तो हमारा जीवन भी 'अक्षय' बन सकता है। यह अक्षयता केवल धन या वस्तुओं की नहीं, बल्कि पुण्य, शांति और आत्मिक संतोष की होती है, जो कभी समाप्त नहीं होती। आज आवश्यकता है कि हम इस पर्व को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखें, बल्कि इसके गूढ़ संदेश को अपने जीवन में उतारें। यदि इस दिन हम एक संकल्प लें, संयम का, सेवा का, साधना का, तो यह दिन वास्तव में हमारे जीवन में परिवर्तन का सूत्रधार बन सकता है। अंततः अक्षय तृतीया एक ऐसी पावन गंगा है, जिसमें तप की धारा, संस्कृति की सुवास, श्रम की गरिमा और आत्मा की पवित्रताकृंसस एक साथ प्रवाहित होती हैं। जो इस धारा में स्नान करता है, वह केवल बाह्य रूप से नहीं, बल्कि भीतर से भी निर्मल हो जाता है। यही इस पर्व की सर्वोच्च उपलब्धि है, और यही इसका सनातन संदेश कि जीवन को अक्षय बनाना है, तो उसे तप, त्याग और आत्मबोध से आलोकित करना होगा।

–ललित गर्ग

जब थालियाँ भरकर फेंकी जाती हैं और पेट खाली सोते हैं

विश्व एक ऐसे विरोधाभास के बीच खड़ा है, जहां एक ओर भारी मात्रा में खाद्य पदार्थ बर्बाद हो रहे हैं और दूसरी ओर करोड़ों लोग भूख से जूझ रहे हैं। यह केवल विडंबना नहीं, बल्कि हमारी वर्तमान खाद्य व्यवस्था की गहरी खामियों का संकेत है। एक ओर उत्पादन में निरंतर वृद्धि हो रही है, तो दूसरी ओर वितरण, भंडारण और उपभोग के स्तर पर इतनी बड़ी असमानता है कि भोजन जरूरतमंद तक पहुँच ही नहीं पाता। यही कारण है कि वैश्विक स्तर पर खाद्य अपशिष्ट और भूख साथ-साथ मौजूद हैं।

भारत की स्थिति इस वैश्विक परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करती है। देश में पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न उत्पादन होने के बावजूद भूख और कुपोषण की समस्या बनी हुई है। हाल के वर्षों में कुछ सुधार अवश्य दर्ज किया गया है, लेकिन यह सुधार इतना सीमित है कि इसे संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। बड़ी संख्या में लोग आज भी पर्याप्त पोषण से वंचित हैं और बच्चों में कुपोषण के आंकड़े चिंता पैदा करते हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि समस्या उत्पादन की कमी नहीं, बल्कि संसाधनों के प्रबंधन और वितरण की अक्षमता है।

खाद्य अपशिष्ट की समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय भी है। जब भोजन बर्बाद होता है, तो उसमें प्रयुक्त जल, ऊर्जा और श्रम भी व्यर्थ चला जाता है। साथ ही, सड़े-गले खाद्य पदार्थों से निकलने वाली गैसें पर्यावरण को नुकसान पहुँचाती हैं। इस प्रकार खाद्य अपशिष्ट जलवायु परिवर्तन को भी बढ़ावा देता है। यह एक ऐसा दुष्चक्र है, जिसमें संसाधनों की बर्बादी और पर्यावरणीय क्षति दोनों शामिल हैं।

इस समस्या की जड़ें उत्पादन से लेकर उपभोग तक फैली हुई हैं। कृषि स्तर पर ही बड़ी मात्रा में फसलें नष्ट हो जाती हैं। इसका कारण अक्सर उचित भंडारण सुविधाओं का अभाव, परिवहन में देरी, और प्राकृतिक आपदाएँ होती हैं। विशेष रूप से फल और सब्जियाँ, जो जल्दी खराब हो जाती हैं, सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। किसानों के पास पर्याप्त कोल्ड स्टोरेज सुविधाएँ नहीं होतीं, जिसके कारण उन्हें या तो जल्दी बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है या फिर उनकी उपज खराब हो जाती है। इससे न केवल किसानों को आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि खाद्य आपूर्ति भी प्रभावित होती है।

आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियाँ इस समस्या को और गंभीर बना देती हैं। उत्पादन और उपभोग के बीच कई चरण होते हैं, जिनमें हर स्तर पर हानि की संभावना रहती है। परिवहन, भंडारण और वितरण की अपर्याप्त व्यवस्था के कारण बड़ी मात्रा में खाद्यान्न बाजार तक पहुँचने से पहले ही नष्ट हो जाता है। कई बार बाजारों में अधिक आपूर्ति होने के कारण भी खाद्य पदार्थ फेंक दिए जाते हैं, क्योंकि उन्हें संग्रहित करने या दूसरे स्थान पर भेजने की उचित व्यवस्था नहीं होती।

उपभोक्ता स्तर पर भी स्थिति कम चिंताजनक नहीं है। घरों, होटलों और आयोजनों में भोजन की बर्बादी आम बात है। लोग अक्सर आवश्यकता से अधिक भोजन खरीदते हैं और फिर उसका पूरा उपयोग नहीं कर पाते। समाप्ति तिथि को लेकर अत्यधिक सतर्कता भी कई बार अनावश्यक बर्बादी का कारण बनती है। विवाह और अन्य सामाजिक आयोजनों में तो यह समस्या और अधिक स्पष्ट दिखाई देती है, जहाँ प्रतिष्ठा के नाम पर आवश्यकता से कहीं अधिक भोजन तैयार किया जाता है, जिसका बड़ा हिस्सा अंततः कूड़े में चला जाता है।

इस पूरे परिदृश्य में नीतिगत और संस्थागत कमियाँ भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अधिकांश सरकारी नीतियाँ उत्पादन बढ़ाने पर केंद्रित हैं, जबकि अपशिष्ट प्रबंधन पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाता है। कोल्ड चेन और भंडारण अवसंरचना में निवेश पर्याप्त नहीं है, और जो योजनाएँ हैं, उनका प्रभाव भी सीमित है। इसके अलावा, खाद्य अपशिष्ट को कम करने के लिए कोई सख्त नियम या दंडात्मक प्रावधान भी व्यापक रूप से लागू नहीं किए गए हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि समस्या को समग्र दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।

यदि इस चुनौती का समाधान करना है, तो एक व्यापक और समन्वित प्रयास की आवश्यकता होगी। सबसे पहले, अवसंरचना के स्तर पर सुधार अनिवार्य है। कोल्ड स्टोरेज और आधुनिक भंडारण सुविधाओं का विस्तार किया जाना चाहिए, ताकि नाशवान वस्तुओं को सुरक्षित रखा जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष ध्यान देना आवश्यक है, जहाँ इस प्रकार की सुविधाओं की सबसे अधिक कमी है। इसके साथ ही, परिवहन और लॉजिस्टिक्स प्रणाली को भी सुदृढ़ बनाया जाना चाहिए, ताकि खाद्य पदार्थ समय पर और सुरक्षित तरीके से बाजार तक पहुँच सकें।

तकनीक का उपयोग भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और डेटा आधारित प्रणाली के माध्यम से मांग और आपूर्ति का बेहतर अनुमान लगाया जा सकता है, जिससे अनावश्यक उत्पादन और बर्बादी को रोका जा सके। इसके अलावा, खाद्य अपशिष्ट को ऊर्जा या खाद में बदलने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है, जिससे पर्यावरणीय प्रभाव को कम किया जा सके।

नीतिगत सुधार भी अत्यंत आवश्यक हैं। सरकार को ऐसे कानून और नीतियाँ बनानी चाहिए, जो खाद्य अपशिष्ट को कम करने के लिए प्रोत्साहित करें और अनावश्यक बर्बादी पर नियंत्रण लगाएँ। होटलों, रेस्तरां और बड़े आयोजनों में बचा हुआ भोजन जरूरतमंदों तक पहुँचाने के लिए अनिवार्य प्रावधान किए जा सकते हैं। इसके साथ ही, किसानों को उनकी उपज के नुकसान के लिए सुरक्षा प्रदान करना भी आवश्यक है, ताकि वे आर्थिक रूप से सुरक्षित रह सकें।

सामुदायिक और शैक्षिक पहल भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। लोगों में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि वे भोजन के महत्व को समझें और उसकी बर्बादी से बचें। स्कूलों और कॉलेजों में इस विषय को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा सकता है, जिससे नई पीढ़ी अधिक जिम्मेदार बने। इसके अलावा, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से अतिरिक्त भोजन को जरूरतमंदों तक पहुँचाने की पहल को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

अंततः, इस समस्या का समाधान केवल एक पक्ष के प्रयास से संभव नहीं है। इसके लिए सरकार, निजी क्षेत्र, किसानों और आम नागरिकों के बीच सहयोग आवश्यक है। एक समग्र और सर्कुलर दृष्टिकोण अपनाकर ही हम खाद्य अपशिष्ट को कम कर सकते हैं और भूख की समस्या का समाधान कर सकते हैं।

यह स्पष्ट है कि खाद्य अपशिष्ट केवल संसाधनों की बर्बादी नहीं, बल्कि एक ऐसी व्यवस्थागत विफलता है, जो हमारी प्राथमिकताओं और नीतियों पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि हम इस चुनौती को गंभीरता से लें और समन्वित प्रयास करें, तो न केवल भूख को कम किया जा सकता है, बल्कि एक अधिक न्यायसंगत और सतत समाज की दिशा में भी कदम बढ़ाया जा सकता है।

– डॉ. सत्यवान सौरभ

ग्रामीण अंचल में आधुनिक चिकित्सा का नया केंद्र बना अमलतास अस्पताल, चेयरमैन डॉ. अभिजात शाह ने की सराहना

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित अमलतास अस्पताल आज आधुनिक चिकित्सा सेवाओं और सामाजिक सरोकारों का एक सशक्त केंद्र बनकर उभर रहा है। इसी क्रम में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के चेयरमैन डॉ. अभिजात शाह ने अस्पताल का विस्तृत निरीक्षण किया और यहां उपलब्ध सुविधाओं, व्यवस्थाओं तथा सेवाओं की सराहना की।

अपने दौरे के दौरान डॉ. शाह ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का गहन अवलोकन किया। उन्होंने इमरजेंसी मेडिसिन, अत्याधुनिक ढ्रष्ट, रोबोटिक तकनीक से सुसज्जित यूनिट, ऑब्स्टेट्रिक्स (OBS) वार्ड, सोनोग्राफी विभाग सहित अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सा सेवाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अमलतास अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक मशीनें और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मरीजों को उच्च स्तरीय और सुरक्षित उपचार प्रदान कर रही है, जो किसी भी बड़े शहरी अस्पताल से कम नहीं है।

डॉ. शाह, जो स्वयं एक अनुभवी कार्डियक विशेषज्ञ हैं, ने अस्पताल के डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ से विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने उपचार पद्धतियों, मरीजों की देखभाल और आपातकालीन सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव और मार्गदर्शन भी दिया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर अपडेट रहना और तकनीक का सही उपयोग ही बेहतर परिणाम सुनिश्चित करता है।

उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि देवास जैसे ग्रामीण क्षेत्र में इस स्तर का अत्याधुनिक अस्पताल संचालित होना एक बड़ी उपलब्धि है। इससे न केवल आसपास के हजारों मरीजों को लाभ मिल रहा है, बल्कि उन्हें बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता भी कम हो रही है।

अस्पताल भ्रमण के दौरान डॉ. शाह ने भर्ती मरीजों से भी मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर उपचार की गुणवत्ता और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। मरीजों ने अस्पताल की सेवाओं, डॉक्टरों के व्यवहार और उपलब्ध सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया।

स्वास्थ्य के साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी निभा रहा अमलतास- डॉ. शाह ने अस्पताल द्वारा संचालित नशा मुक्ति केंद्र और स्पेशल स्कूल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अमलतास अस्पताल केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के लिए भी सराहनीय कार्य कर रहा है।

नशा मुक्ति केंद्र में जहां लोगों को नई जिंदगी देने का प्रयास किया जा रहा है, वहीं स्पेशल स्कूल में दिव्यांग और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा, थेरेपी और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यहां बच्चों के लिए फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी और ऑक्यूपेशनल थेरेपी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो उनके समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

डॉ. शाह ने कहा कि इस प्रकार की पहल समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ संवेदनशीलता और समावेशिता को भी बढ़ावा देती है। यह अन्य संस्थानों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए दी बधाई- अंत में डॉ. अभिजात शाह ने अमलतास अस्पताल प्रबंधन और पूरी टीम को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि अमलतास अस्पताल जिस तरह से चिकित्सा सेवाओं और सामाजिक जिम्मेदारी को साथ लेकर चल रहा है, वह वास्तव में सराहनीय है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी यह संस्थान इसी तरह निरंतर प्रगति करता रहेगा और समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराता रहेगा।

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत व्याख्यान माला एवं कार्यशाला का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री कृष्णजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास मे उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार एवं महाविद्यालय की आईक्यूएसी एवं महिला उत्पीड़न विभेद वर्जन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत व्याख्यान माला एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में प्रमुख वक्ता न्यायाधीश श्री सुभाष चौधरी, डिस्ट्रिक लीगल एंड अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला एवं सत्र न्यायालय देवास तथा श्रीमती गीता ठाकुर ब्लॉक महिला सशक्तिकरण अधिकारी प्रशासक वन स्टॉप सेंटर थी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एसपीएस राणा, कार्यक्रम संयोजक डॉ. विद्या महेश्वरी, डॉ. भारती कियावत, डॉ. लता धुपकरिया, डॉ. लीना दुबे एवं डॉ. सत्यम सोनी ने मंच साझा किया।

प्रमुख वक्ता न्यायाधीश श्री सुभाष चौधरी ने अपने उद्बोधन में कानूनी अधिकार एवं कार्य स्थल पर लैंगिक समानता विषय पर संबोधित करते हुए भरण पोषण अधिनियम पास्को एक्ट लेबर, अभियोजन, अनुच्छेद 14 ,15 एवं 21 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। महिला बाल विकास अधिकारी श्रीमती गीता ठाकुर ने वन स्टॉप सेंटर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि देवास जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए हमें सभी को जागरुक करते रहना चाहिए। डॉ सत्यम सोनी ने अपने उद्बोधन में वित्तीय साक्षरता की आवश्यकता को विस्तारपूर्वक समझाया। डॉ. विद्या महेश्वरी ने साइबर सिक्योरिटी वर्तमान समय की आवश्यकता है पर सभी को संबोधित किया। प्राचार्य डॉ. एसपीएस राणा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए।

युवक से लूटी थी हजारों की राशि, आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मोहन बड़ोदिया पुलिस ने रास्ता रोककर एक युवक के साथ गाली-गलौच कर जबरन राशि लूटने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसे पुलिस ने न्यायालय में पेश किया। जानकारी के अनुसार मामला 1 मार्च का है। फरियादी लालसिंह राजपूत निवासी ग्राम बिजनाखेड़ी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने साथियों के साथ देहरीपाल चक सोसाइटी के पैसे वसूलने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में प्रकाश बंजारा ने उसे रोका और गाली-गलौज कर कालर पकड़कर उससे 3600 रुपए अपने साथी बहादुर बंजारा के खाते में डलवा लिए। इस संबंध में कई धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। आरोपी प्रकाश बंजारा गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। 17 अप्रैल को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मनासा जिला नीमच से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। जिसके बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

टीईटी परीक्षा के विरोध में होगा प्रदर्शन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में प्रस्तावित टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) के विरोध में शिक्षकों का आंदोलन तीसरे चरण में पहुंच गया है। इसी क्रम में शनिवार को राजधानी भोपाल में प्रदेशभर के शिक्षक संगठनों द्वारा एक बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। इस प्रदर्शन में शाजापुर जिले सहित मोहन बड़ोदिया ब्लाक से भी सैकड़ों शिक्षक शामिल होने के लिए भोपाल रवाना हुए हैं। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले ये शिक्षक बड़ी संख्या में एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर विरोध दर्ज करा रहे हैं। संयुक्त मोर्चा जिला शाजापुर के सदस्य गोरेलाल सूर्यवंशी ने बताया कि प्रदेश के शिक्षकों में टीईटी परीक्षा को लेकर भारी आक्रोश है। उनका तर्क है कि पहले से कार्यरत शिक्षकों पर इस प्रकार की परीक्षा थोपना उचित नहीं है। शिक्षक अपनी मांगों को लेकर एकजुटता दिखा रहे हैं।

पेंशनर एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ जिला देवास की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पेंशनर एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ जिला देवास की जिला कार्यकारिणी की बैठक मल्हार स्मृति मंदिर परिसर में संघ के संरक्षक मार्गदर्शक एम एल मालवीय देवड़ा के मार्गदर्शन एवं जिला अध्यक्ष पण्डित देवीशंकर तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन जिला सचिव अरविंद शर्मा ने किया। सभी सदस्यों का स्वागत कोषाध्यक्ष अशोक चौहान ने किया। आभार प्रदर्शन देवास तहसील अध्यक्ष अनिल नागर ने किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि धारा 49 छः को समाप्त करने, शिक्षकों के अर्जित अवकाश का भुगतान शीघ्र किया जाए, 30 जून एवं 31 दिसम्बर को सेवा निवृत्त हुए कर्मचारियों को एक वेतन वृद्धि जल्दी दी जाय, चतुर्थ वेतनमान पेतिस वर्ष की सेवा पूरी करने वाले सभी को दिया जाए।

देवास में प्रबुद्धजन संगोष्ठी आयोजित, बाबा साहब के विचारों को अपनाने का आह्वान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा कार्यालय देवास में शनिवार को आयोजित प्रबुद्धजन संगोष्ठी को संबोधित करते हुए अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन डॉ. सावन सोनकर ने कहा कि आज हम ऐसे महान व्यक्तित्व को नमन कर रहे हैं, जिन्होंने पूरे विश्व में मानवीय गरिमा के लिए सबसे बड़ा संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन राष्ट्र सेवा को समर्पित रहा और आज पूरा देश बाबा साहब की वंदना करता है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के लिए प्रेरणा हैं। आज अनगिनत विद्वान, समाजशास्त्री और राजनीतिक चिंतक उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते हैं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बाबा साहब से जुड़े स्थलों को 'पंचतीर्थ' के रूप में विकसित करने के प्रयासों का भी उल्लेख किया गया।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री गणपत डाबी ने बताया कि बाबा साहब से जुड़े पांच प्रमुख स्थान–मध्यप्रदेश का महू, महाराष्ट्र का नागपुर, मुंबई, नई दिल्ली और लंदन–को पंचतीर्थ का दर्जा दिया गया है। उन्होंने कहा कि महू बाबा साहब की जन्मस्थली, नागपुर दीक्षा स्थली, मुंबई चैत्यभूमि, दिल्ली महापरिनिर्वाण स्थल तथा लंदन उनकी शिक्षा स्थली के रूप में देश-विदेश में प्रसिद्ध हैं।

भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर एक महान समाज सुधारक, अर्थशास्त्री और भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार थे। उन्होंने शोषितों, महिलाओं और श्रमिकों के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने संविधान के माध्यम से समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को स्थापित किया तथा अनुच्छेद 17 के जरिए अस्पृश्यता को समाप्त किया। श्रमिकों के हित में कार्य करते हुए उन्होंने कार्य के घंटे 12 से घटाकर 8 किए और न्यूनतम वेतन, भविष्य निधि जैसी व्यवस्थाओं का समर्थन किया।

महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति, शिक्षा और समान अधिकार दिलाने के लिए बाबा साहब ने संघर्ष किया। उनका मानना था कि ÷शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो÷ ही समाज परिवर्तन का मूल मंत्र है।

भाजपा अजा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रमोद डोगलिया ने सभी अतिथियों अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया।

कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला मंत्री कपिल पवार ने किया, जबकि अंत में आभार प्रदर्शन प्रमोद डोगलिया ने किया।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री राजेश यादव, मनीष सोलंकी, विजय सिंह पवार, जिला उपाध्यक्ष गोतमसिंह राजपूत, प्रदेश मंत्री संजय दायमा, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार, मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष विजेंद्र राणा, मनीष दांगी। अजय तोमर मनोज गर्ग अजय चौहान ईश्वर परासिया , निरपेक्ष चौहान ऋषि सोलंकी राहुल गोस्वामी अजय गुनवदिया राहुल राठौर राजेश मालवीय प्रेम बालोदिया गणेश अटल जीतू, रवि सांगते, मालवीय सोनू चेतावलेसहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

जिले में जल का अभाव, फिर भी नहीं रूक रहा पानी का व्यर्थ बहाव

नगर में प्रतिदिन हो रही हजारों लीटर पानी की बर्बादी, कई स्थानों पर नलों में नहीं लगाई टोटियां

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बारिश के मौसम में अपर्याप्त बारिश हुई थी। जिसे देखते हुए जिले को जलअभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। इसके लिए विभिन्न पाबंदिया भी लगाई गई है, लेकिन दूसरी ओर नगर में प्रतिदिन हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। जिसकी ओर किसी का भी ध्यान नहीं है। नगर में अनेकों नल ऐसे है जिसमें टोटियां लंबे समय से नहीं है। इन बगैर टोटी वाले नलों से जलवितरण के समय हजारों लीटर पानी व्यर्थ बहता रहता है।

नगर में निजी और शासकीय मिलाकर करीब 14 हजार से ज्यादा नल कनेक्शन है। इसमें से करीब ढाई हजार नल कनेक्शन शासकीय है। इन शासकीय नलों को आमजन उपयोग के लिए लगाया गया, लेकिन नगर में अधिकांश शासकीय नलों में टोटियां नहीं है। कुछ जगह पूर्व में टोटी लगाई गई, लेकिन या तो वो पूरी तरह खराब है या फिर गायब है। इधर पूरे नगर के करीब 14 हजार नल कनेक्शन में से आधे कनेक्शन में एक दिन शेष आधे कनेक्शन में दूसरे दिन जल वितरण किया जाता है। ऐसे में बगैर टोटी वाले शासकीय नलों में से पानी व्यर्थ बहता रहता है। प्रतिदिन बगैर टोटी वाले नलों से हजारों लीटर पानी व्यर्थ ही बह जाता है। इस पर रोक लगाने के लिए पूर्व में प्रयास नहीं हुए।

जिले को किया जा चुका है जल अभावग्रस्त घोषित- जिले में पिछले वर्षाकाल में औसत वर्षा 990.10 मिमी के स्थान पर 587.20. मिमी वर्षा होने के कारण जिले का जलस्तर लगातार नीचे गिरने और गंभीर पेयजल संकट की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ऋजु बाफना ने जिले को 2 अप्रेल को ही जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। इसके अंतर्गत जिले के समस्त जलस्रोतों जिसमें बांध, नदी, नहर, जलधारा, झरना, झील, जलाशय, नाला, बंधान, नलकूप या कुएं से किसी भी साधन से घरेलू प्रयोजन व निस्तार को छोड़कर सिंचाई या औद्योगिक, व्यावसायिक अथवा किसी अन्य प्रयोजन के लिए (पूर्व से अनुमति प्राप्त को छोड़कर) जल उपयोग करने के लिए प्रतिबंधित किया गया है। ऐसे में सरकारी नलों से लगातार व्यर्थ बह रहे पानी को रोकना भी अति आवश्यक है।

समाजकंटक ले जाते है टोटी निकालकर- नगर पालिका द्वारा पूर्व में इन शासकीय नलों में टोटियां लगाई गई थी, लेकिन धीरे-धीरे करके समाजकंटक इन टोटियों को निकालकर ले जाने लगे। ऐसे में कई जगह प्लास्टिक की टोटियां लगाई गई तो उन्हें इन समाजकंटकों द्वारा तोड़ दिया गया। ऐसे मे बार-बार होने वाले नुकसान को देखते हुए सभी करीब ढाई हजार शासकीय नलों में से अधिकांश बगैर टोटी वाले ही है।

जिले में 45-50 मीटर तक पहुंचा भूजल स्तर- पूरे प्रदेश में वर्षाकाल में सबसे कम वर्षा वाले जिलों में शाजापुर प्रदेश में दूसरे नंबर पर रहा। जिले में इस वर्ष औसत से भी कम बारिश होने के कारण भूजल स्तर भी लगातार गिरता जा रहा है। जानकारी के अनुसार वर्तमान में जिले का भूजल स्तर 45 से 50 मीटर तक पहुंच गया है। सिंचाई विभाग के एसडीओ अंकित पाटीदार ने बताया कि चीलर डैम में वर्तमान में साढ़े 5 फीट पानी है। इस पानी से शाजापुर नगर के लिए जल वितरण का कार्य वर्षाकाल तक हो सकता है।

इनका कहना है- नगर के समस्त वार्ड में शासकीय नलों को देखा जाएगा। इसमें जिन सरकारी नलों से पानी व्यर्थ बहता रहता है उन्हें बंद किया जाएगा। वहीं जो नल बगैर टोटी वाले है उन पर भी टोटियां लगाई जाएगी।

- प्रेम यादव, जलशाखा सभापति-नगर पालिका, शाजापुर

बाल विवाह रोकने उड़नदस्ते सक्रिय, ऑपरेशन लाड़ली किया लांच

अक्षय तृतीया पर होने वाले विवाह समारोह में अधिकारी रखेंगे नजर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। आगामी अक्षय तृतीया 20 अप्रैल के मद्देनजर महिला बाल विकास विभाग ने जागरूकता कार्यक्रमों के साथ विशेष तैयारियां की हैं। जिले के चारों विकासखंडों में एसडीएम की अध्यक्षता में उड़नदस्ते गठित किए गए हैं।

इन दलों में तहसीलदार, पुलिस, महिला बाल विकास अधिकारी, चाइल्डलाइन और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं। ये दल अपने-अपने क्षेत्रों में बाल विवाह पर कड़ी नजर रखेंगे। 18 से 22 अप्रैल तक विशेष आपरेशन लाडली और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत ये उड़नदस्ते तैनात रहेंगे। जो विवाह समारोह पर नजर रखेंगे और बाल विवाह होने की स्थिति में सभी संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

टेंट संचालक व कैटरर्स भी होंगे जिम्मेदार, हो सकती है जेल

प्रशासन ने विवाह स्थलों, टेंट हाउस संचालकों और कैटरर्स को चेतावनी दी है। बाल विवाह होने की स्थिति में अभिभावकों के साथ-साथ विवाह में सहयोग करने वाले विवाह स्थल, टेंट, हलवाई, पंडित और बैंड-बाजे के संचालकों पर भी कार्रवाई की जाएगी। बाल विवाह में भूमिका निभाने वाले सभी व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई होगी। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत, विवाह कराने, सहयोग करने या बढ़ावा देने पर 2 वर्ष तक का सश्रम कारावास और 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। बाल विवाह की सूचना देने के लिए टोल-फ्री नंबर 1098 (चाइल्डलाइन), 100 (पुलिस) या 181 (महिला हेल्पलाइन) पर संपर्क किया जा सकता है।

सहयोग करने वाले भी नहीं बख्शे जाएंगे- महिला बाल विकास विभाग के डीपीओ संजय त्रिपाठी ने बताया कि जिले में बाल विवाह रोकने के लिए चारों विकासखंडों में उड़नदस्ते बनाए गए हैं, जो बाल विवाह पर नजर रखेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बाल विवाह होने पर अभिभावकों के साथ-साथ इसमें सहयोग करने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी। मैरिज गार्डन, हलवाई, टेंट और पंडितों को भी बाल विवाह में सहयोग न करने की हिदायत दी जा रही है, अन्यथा उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

'हमारी धरोहर-हमारी पहचान' कार्यक्रम से बताया पर्यटन स्थल का महत्व

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व विरासत दिवस (18 अप्रैल) के अवसर पर मोतीमहल में हमारी धरोहर-हमारी पहचान विषय को लेकर मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों के पर्यटन स्थलों की छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई। आमजन प्रदर्शनी को 7 दिनों तक निःशुल्क दे सकेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जितेन्द्र शर्मा, प्राचार्य, पं. श्यामचरण उपाध्याय महाविद्यालय मुरैना एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. मनोज अवस्थी, विभागाध्यक्ष माधव महाविद्यालय ग्वालियर द्वारा दीप प्रज्वल्लित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

श्री पी.सी. महोबिया, उपसंचालक, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, म.प्र. उत्तरी क्षेत्र, ग्वालियर द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। मोतीमहल में पुरातत्व के प्रति छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं आमजनों में जागरूकता, जन-जागृति एवं अभिरुचि लाने के लिए यह प्रदर्शनी आयोजित की गई है। प्रदर्शनी में जिनमें विश्व धरोहर स्थल खजुराहो मंदिर समूह, साँची स्तूप, भीमबेटका, ताजमहल, लाल किला, एलोरा की गुफायें के साथ ही म.प्र. के प्राचीन किले, महल, गढ़ी, प्राचीन बावड़ियाँ, शैलचित्र, प्रतिमायें, पेंटिंग्स, सिक्के, छत्रियाँ एवं पाण्डुलिपि के छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। प्रदर्शनी देखने आए आमजनों, छात्र-छात्राओं को पुरातत्विक धरोहर को सहेजने, प्राचीन धरोहर, प्राचीन परम्पराओं आदि को सुरक्षित रखने के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर श्री मुकेश गाड़गे, श्री वकार हुसैन रिजवी, श्री संतोष बाथम, श्री संतोष वर्मा, श्री गिरिराज, एवं श्री चन्दन सिंह परिहार आदि उपस्थित रहे।

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा ग्वालियर जिले में शक्ति दीदी लिख रहीं हैं महिला सशक्तिकरण की इबारत

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले में महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिखी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप हुए शक्ति दीदी नवाचार के तहत जरूरतमंद महिलाएँ पेट्रोल पंपो पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर का मोर्चा संभाल कर आत्मनिर्भर बनी हैं। शनिवार को 5 जरूरतमंद महिलायें शक्ति दीदी बनी। जिले में अब तक 112 जरूरतमंद महिलायें शक्ति दीदी नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर हो चुकी हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शनिवार को शहीद गेट बारादरी मुरार स्थित बीपी सेल्स पर सुश्री नीलम मित्तल व सुश्री आशा बाथम को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी। कलेक्टर ने फूल मालायें पहनाकर दोनों शक्ति दीदियों का स्वागत किया। साथ ही शक्ति दीदी की जैकेट व पहचान पत्र सौंपा। उन्होंने दोनों शक्ति दीदियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सब आत्मविश्वास के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें।

ग्वालियर के आसपास की पहाड़ियों को हरा-भरा करने के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी किया जायेगा विकसित

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर शहर के आसपास स्थित पहाड़ियों को हरा-भरा बनाने के साथ-साथ नागरिकों के लिये पर्यटन के रूप में विकसित करने का कार्य किया जायेगा। इसके साथ ही इन पहाड़ियों को अतिक्रमण मुक्त रखने तथा अवैध उत्खनन को सख्ती के साथ रोकने का कार्य भी किया जायेगा। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से किए जा रहे इस कार्य में शासन-प्रशासन के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों का सहयोग भी लिया जायेगा। माननीय उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर द्वारा एक जनहित याचिका के संबंध में जारी निर्देशों के पालन में गठित कमेटी की कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया है।

कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, डीएफओ श्री गौरीशंकर दुबे, एडीएम श्री सी बी प्रसाद, अपर आयुक्त नगर निगम श्री प्रदीप तोमर, न्यायिक सेवा के श्री धर्मेन्द्र रिछारिया, एमडी आयुर्वेद श्री प्रशांत शर्मा, उच्च न्यायालय के शासकीय अभिभाषक श्री रविन्द्र दीक्षित व वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि विश्वविद्यालय डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह उपस्थित थे। पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, अतिरिक्त महाधिवक्ता श्री विवेक खेडकर व वरिष्ठ वेटनरी सर्जन श्री आशुतोष गुप्ता ऑनलाइन शामिल हुए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि ग्वालियर के आसपास की पहाड़ियों को हरा-भरा और पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिये सर्वप्रथम पहाड़ियों का चयन किया जाए। इसके साथ ही वन विभाग, नगर निगम एवं अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों के साथ मिलकर इन पहाड़ियों पर वृहद वृक्षारोपण का कार्य किया जायेगा। इसके लिये एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जायेगी। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि पहाड़ियों पर अतिक्रमण न हो, इसके साथ-साथ अवैध उत्खनन को भी सख्ती के साथ रोका जायेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि जिला प्रशासन एवं नगर निगम के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से जिस प्रकार आनंद पर्वत, हरि पर्वत को विकसित करने का कार्य किया गया है।

शिवसेना ने PWD को दी आंदोलन की चेतावनी

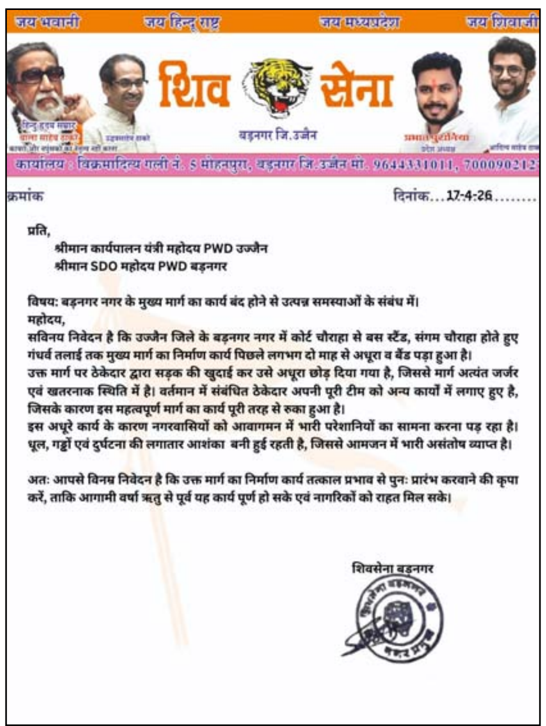

जय भवानी | जय हिन्दू राष्ट्र | जय मध्यप्रदेश | जय शिवाजी

शिव सेना

बड़नगर जि. उज्जैन

कार्यालय : विक्रमादित्य गली नं. 5 मोहनपुरा, बड़नगर जि. उज्जैन मो. 9644331011, 700090212

क्रमांक   दिनांक...17-4-26........

प्रति,

श्रीमान कार्यपालन यंत्री महोदय PWD उज्जैन

श्रीमान SDO महोदय PWD बड़नगर

विषय: बड़नगर नगर के मुख्य मार्ग का कार्य बंद होने से उत्पन्न समस्याओं के संबंध में।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि उज्जैन जिले के बड़नगर नगर में कोर्ट चौराहा से बस स्टैंड, संगम चौराहा होते हुए गंधर्व तलाई तक मुख्य मार्ग का निर्माण कार्य पिछले लगभग दो माह से अधूरा व बंद पड़ा हुआ है।

उक्त मार्ग पर ठेकेदार द्वारा सड़क की खुदाई कर उसे अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे मार्ग अत्यंत जर्जर एवं खतरनाक स्थिति में है। वर्तमान में संबंधित ठेकेदार अपनी पूरी टीम को अन्य कार्यों में लगाए हुए है, जिसके कारण इस महत्वपूर्ण मार्ग का कार्य पूरी तरह से रुका हुआ है।

इस अधूरे कार्य के कारण नगरवासियों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। धूल, गड्ढों एवं दुर्घटना की लगातार आशंका बनी हुई रहती है, जिससे आमजन में भारी असंतोष व्याप्त है।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि उक्त मार्ग का निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से पुनः प्रारंभ करवाने की कृपा करें, ताकि आगामी वर्षा ऋतु से पूर्व यह कार्य पूर्ण हो सके एवं नागरिकों को राहत मिल सके।

शिवसेना बड़नगर

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। नगर में निर्माणाधीन डायवर्शन रोड फोरलेन (सिटी फोरलेन) का कार्य इन दिनों अत्यंत धीमी गति से चल रहा है। पिछले कुछ समय से निर्माण कार्य पूर्णतः बंद होने के कारण मुख्य मार्ग की स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी है। मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं तथा धूल-मिट्टी के कारण आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है और यातायात व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

अधिकारियों से चर्चा और मांग- स्थानीय नागरिकों को हो रही इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए शिवसेना द्वारा उक्त निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कर पूर्ण करने की मांग को लेकर लोक निर्माण विभाग, उज्जैन को पत्र प्रेषित किया गया तथा वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की गई।

कार्यपालन यंत्री ने दिया आश्वासन- इस संबंध में कार्यपालन यंत्री श्री गौतम अहिरवार जी ने आश्वस्त किया कि वे शीघ्र ही स्थल का निरीक्षण करेंगे और संबंधित ठेकेदार को वर्षा ऋतु के पूर्व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

आंदोलन की चेतावनी- शिवसेना ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जनहित में यह कार्य जल्द प्रारंभ नहीं किया गया, तो शिवसेना द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

उपस्थिति- इस दौरान मुख्य रूप से शिवसेना युवासेना से प्रभात पुरानिया, युवासेना जिला अध्यक्ष अर्जुन शर्मा, पूर्व तहसील अध्यक्ष भगवान सिंह सोलंकी, मिहिर गुप्ता आदि शिवसैनिक उपस्थित थे।

बदनावर की आम गुठली और कैलाश जी की खास झोली

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजनीति में कहते हैं कि नेता कभी भी शोक मनाने नहीं आता, वो तो बस यह देखने आता है कि कहीं असंतोष की आग पर राजनीति की रोटियां सेंकने का मौका तो नहीं मिल रहा। शुक्रवार को जब सूबे के कैलाश पर्वत जैसे कद्दावर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बदनावर की गलियों में उतरे, तो लगा कि सिर्फ दुख बांटने आए हैं, लेकिन जाते-जाते उन्होंने जो आम उठाए, उसने भाजपा के कई दिग्गजों के दांत खट्टे कर दिए हैं।

नारायण की दुकान पर जब मंत्री जी जूस की चुस्की ले रहे थे, तब हवाओं में केवल मौसमी फलों की खुशबू नहीं थी, बल्कि भाजपा की अंदरूनी खिचड़ी की महक भी थी। बदनावर भाजपा के भीतर की कलह अब ऐसी गूंज बन चुकी है कि भोपाल में बैठे नेताओं को भी कानों में रुई डालनी पड़ रही है। मंत्री जी ने जूस पीते-पीते शायद यह भी नाप लिया होगा कि यहाँ के संगठन में कितना विटामिन बचा है और किसे ग्लूकोज चढ़ाने की जरूरत है।

असली कॉमेडी तो तब हुई जब मंत्री जी ने विदा लेते समय बदनावर के रसीले आम अपनी गाड़ी में रखवाए। उन्हें आम लेते देख वहां खड़े एक नेताजी से रहा नहीं गया, उन्होंने धीरे से बगल वाले के कान में फुसफुसाया भैया, सावधानी हटी और दुर्घटना घटी! कैलाश जी को जो एक बार भा गया, वो फिर आम आदमी नहीं रह जाता, उसे तो वो सीधे खास बनाकर अपने साथ ही ले जाते हैं।÷ अब डर इस बात का है कि उन आमों के साथ-साथ कहीं बदनावर के कुछ आम कार्यकर्ताओं की तकदीर भी पैक होकर भोपाल न चली जाए!

बदनावर की राजनीति में फिलहाल सामंजस्य का अकाल पड़ा है। बड़े नेताओं का दखल यहाँ वैसा ही जरूरी हो गया है जैसे कड़वे नीम पर शहद का लेप। अब कैलाश जी को यहाँ कौन आम भा रहा है और किसे वो गुठली की तरह बाहर फेंकेंगे, यह तो आने वाला वक्त बताएगा। फिलहाल तो चर्चा यही है कि बदनावर के आम तो चले गए भोपाल, अब देखना ये है कि यहाँ के स्थानीय नेताओं के हिस्से में मिठास आती है या फिर सिर्फ छिलके बचते हैं!

7 मई को निकलेगी भव्य शौर्य यात्रा, तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

मनोहर सिंह बने संयोजक, लोकेंद्र सिंह को सहसंयोजक की जिम्मेदारी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष निकलने वाली शौर्य यात्रा को लेकर युवा राजपूत संगठन द्वारा राजपूत समाज धर्मशाला, माथुर कॉलोनी में नवीन अध्यक्ष महिपाल सिंह पंचकवासा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, बैठक की शुरुआत वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर वरिष्ठजनों द्वारा पुष्पमाला अर्पित कर की गई तथा संचालन संरक्षक भूपेंद्र सिंह जादौन ने किया, इस दौरान पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कनवासा द्वारा गत वर्ष का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया और नई कार्यकारिणी का विस्तार भी किया गया, शौर्य यात्रा के सफल आयोजन हेतु ठाकुर मनोहर सिंह फुलेड़ी को संयोजक एवं लोकेंद्र सिंह बैंगन्दा को सहसंयोजक नियुक्त किया गया, साथ ही नव नियुक्त पदाधिकारियों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया, बैठक में समाज के वरिष्ठ मार्गदर्शक दशरथ सिंह डोडिया, राजेंद्र सिंह पंवार (बापू), डॉ. गोपाल सिंह ठाकुर की उपस्थिति रही, संगठन में कोषाध्यक्ष के रूप में जितेंद्र सिंह जादौन, यात्रा प्रभारी ठाकुर ईश्वर सिंह सनावदा, सह प्रभारी राजेंद्र सिंह खेड़ी, यात्रा संरक्षक गोपाल सिंह सेमलिया एवं लखन सिंह गोहिल को जिम्मेदारी सौंपी गई, मीडिया प्रभारी के रूप में बंटी सिंह चौहान (सिलोदा) को नियुक्त किया गया तथा उपाध्यक्ष पद पर राजेंद्र सिंह सोलंकी (दूधवाल), अरुण सिंह बेंगन्दा और सुरेंद्र सिंह रेशमगारा को नियुक्ति दी गई, यह कार्यकारिणी गठन शंभू सिंह खेड़ी की अनुशंसा पर संगठन अध्यक्ष महिपाल सिंह पंचकवासा द्वारा किया गया, बैठक में सभी सदस्यों ने 7 मई को निकलने वाली शौर्य यात्रा को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

तिरुपति वेयरहाउस में गेहूं खरीदी पर बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर, 25 की जगह 30 बोरी भरने का आरोप

दो जिलों की खरीदी एक ही केंद्र पर, किसानों ने उठाए गंभीर सवाल

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। रतलाम जिले के सिनोद स्थित तिरुपति वेयरहाउस पर गेहूं खरीदी में बड़े स्तर पर गड़बड़ी और फर्जीवाड़े के आरोप सामने आए हैं। यह केंद्र ऐसा बताया जा रहा है जहां रतलाम जिले के साथ-साथ उज्जैन जिले के भाटपचलाना क्षेत्र के गांवों का गेहूं भी तौला जा रहा है, जिससे व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

किसानों का आरोप है कि सहकारी संस्था द्वारा खरीदी प्रक्रिया में भारी अनियमितताएं की जा रही हैं। किसानों को पहले 50 किलो की 25 बोरियां गिनाकर पर्ची बनवाने भेज दिया जाता है, लेकिन जब दूसरी तरफ जाकर दोबारा गिनती की जाती है तो बोरी की संख्या 30 निकलती है। यानी सीधे तौर पर 5 बोरी का हेरफेर सामने आ रहा है। किसानों का कहना है कि इस दौरान हमाल पहले ही कट्टियां भर देते हैं, जिससे उन्हें आपत्ति जताने का मौका भी नहीं मिलता।

इसी तरह उज्जैन जिले के एक किसान ने भी वेयरहाउस में तौल के दौरान गड़बड़ी का आरोप लगाया है। किसान के अनुसार, ट्रॉली में लाए गए अनाज की तौल के समय कर्मचारियों द्वारा एक बार में केवल 25-25 कट्टों की तौल की जा रही थी। जब किसान ने सभी कट्टों को एक साथ तौलने की मांग की तो उसे मना कर दिया गया, जिससे विवाद की स्थिति बन गई।

किसान ने दावा किया कि उसके अनाज का वास्तविक वजन लगभग 47.5 क्विंटल था, लेकिन वेयरहाउस द्वारा केवल 45 क्विंटल ही दर्ज किया गया, जिससे उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। किसानों का कहना है कि तौल प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है और इस तरह की गड़बड़ियां लंबे समय से जारी हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि उज्जैन जिले की सहकारी संस्था द्वारा गेहूं खरीदी का कार्य रतलाम जिले के वेयरहाउस में क्यों कराया जा रहा है। एक ही वेयरहाउस पर दो जिलों की खरीदी होना नियमों के विरुद्ध बताया जा रहा है। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि बाहरी ठेकेदारों द्वारा खरीदी प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर किसानों के साथ लूट की जा रही है।

मामले को लेकर जब वेयरहाउस प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा गया तो स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। अब किसान प्रशासन और कलेक्टर से मांग कर रहे हैं कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए।सवाल बना हुआ है- आखिर जिम्मेदार अधिकारी कब कार्रवाई करेंगे और किसानों को इस तरह के नुकसान से राहत कब मिलेगी?

कलेक्टर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किये प्रतिबंधात्मक आदेश

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमति जयति सिंह ने आगामी समय में आने वाले त्यौहारों के मद्देनजर जिले में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा और साम्प्रदायिक सद्भाव की स्थिति को बनाये रखने के लिए असामाजिक तत्वो, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों तथा निहित स्वार्थी तत्वों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए सम्पूर्ण जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत 2 माह की अवधि तक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमति जयति सिंह ने पुलिस अधीक्षक बड़वानी से प्राप्त प्रतिवेदन के अवलोकन के उपरान्त सहमत होते हुये जनसामान्य के स्वास्थ्य के हित एवं लोक शांति तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत बड़वानी जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में निम्नलिखित प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। 19 अप्रैल को परशुराम जयंति, 01 मई को बुद्ध पूर्णिमा, 28 मई को ईदुज्जुहा, 09 जून को बिरसा मुण्डा शहीद दिवस, 17 जून को महाराणा प्रताप/छत्रसाल जयंति, 26 जून को मोर्हरम, 16 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा, 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा एवं आगामी समय में होने त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए तथा पुलिस अधीक्षक के प्राप्त प्रतिवेदन के अवलोकन उपरांत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा सम्पूर्ण जिले में धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये है। बड़वानी जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग के आदेशानुसार ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित एवं नियम विरूद्ध प्रयोग पर नियंत्रण एवं कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त हुए थे। प्राप्त निर्देशानुसार 14 दिसम्बर 2023 को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी द्वारा आदेश जारी कर ध्वनि की तीव्रता निर्धारित की गई है।

धुआं धुआं हुआ ट्रेनिंग ग्राउंड आग पर काबू पाने के लिए उज्जैन और बदनावर से भी बुलानी पड़ी फायर ब्रिगेड ट्रेंचिंग ग्राउंड का कचरा ग्रामीण नगर के लिए बना परेशानी

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। नगर पालिका द्वारा नगर में सफाई व्यवस्था को लेकर सचेत व सजग है वही नगर से कचरा इकट्ठा करने के लिए घर-घर कचरा वाहन जाता है और यह सारा कचरा कजलाना में बने ट्रेंचिंग ग्राउंड में डाला जाता है यहां पर नगर पालिका द्वारा अपना डंप यार्ड बनाया गया है ताकि नगर के कचरे को नगर से बाहर रखा जा सके और इसी के चलते करीब 15 साल से नगर का कचरा कजलाना स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड पर जमा किया जा रहा है।

लेकिन नगर पालिका कर्मचारियों की लापरवाही की हदतंभ हो जाती है जब यह कचरा अपने निर्धारित स्थान पर डालते डालते पास में बने तालाब के अंदर भी डाल दिया जाता है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है तो वहीं पशुओं द्वारा युक्त पानी पीने से वह बीमार भी होते हैं नगर पालिका के पास जो कचरा इकट्ठा किया जाता है उसे नष्ट करने के लिए कोई मशीनरी व्यवस्था नहीं है जिसके चलते उसे कचरे को नष्ट करने के लिए उसमें आग लगाई जाती है हालांकि नगर पालिका कर्मचारियों का कहना है कि यह आज हमारे द्वारा नहीं लगाई जाती है किसी अज्ञात कारण की वजह से यह आग लगी है यह सवाल यह पैदा होता है कि पिछले 15 वर्षों से जब नगर का कचरा ट्रेंचिंग ग्राउंड पर डाला जा रहा है तो उसे नष्ट करने के लिए मशीनों की व्यवस्था 15 सालों तक क्यों नहीं की गई अक्सर देखा गया है कि यहां पर आग लगती है धुआं उठता है ग्रामीण परेशान होते हैं पर जब नगर पालिका के जिम्मेदारों से सवाल किया जाता है तो उनका कहना होता है कि किसी अज्ञात कारण की वजह से यह आग लगी है।

उसे अज्ञात कारण को ज्ञात करने के लिए नगर पालिका द्वारा कोई प्रयास नहीं किया जाता है ना ही उसे अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कभी पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवाई जाती है इसका सीधा सा मतलब निकलता है कि कहीं ना कहीं नगर पालिका की मिली भगत इसमें है जिसके चलते कचरा जलाया जाता है कचरे से उठने वाले धुएं से आसपास के ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है ऐसा ही एक मामला शनिवार को सुबह भी हुआ ग्रामीणों का कहना है कि रात में करीब 1ः00 बजे यहां आग लगी जिसकी नगर पालिका ने कोई शुद्ध नहीं ली ग्रामीणों ने आक्रोश जताया विरोध किया तब कहीं जाकर मौके पर नगर पालिका के अनुमान दे वह तहसीलदार मौके पर पहुंचे। ट्रेंचिंग ग्राउंड में लगी आग को बुझाने के लिए बड़नगर की फायर ब्रिगेड कम पड़ गई और तत्काल उज्जैन व बदनावर से फायर ब्रिगेड मंगवाना पड़ी। जिन्होंने बड़ी मशक्कत के बाद आज को बुझाया। तहसीलदारों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना वह उन्हें नोट कर ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का शीघ्र निराकरण कर दिया जाएगा दिन समस्याओं का निराकरण शीघ्र किया जा सकता है उनका तो निराकरण शीघ्र ही कर दिया जाएगा।

लेकिन जिम समय लगने की संभावना है उन्हें समय अनुसार निराश्रित किया जाएगा ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए ट्रेनिंग ग्राउंड में अब जहां तक समस्याओं का निराकरण न हो वहां तक कचरा गाड़ियों का खाली होने पर विरोध जताते हुए कहा है कि जहां तक समस्याओं का निराकरण नहीं होता वहां तक अब टेंशन ग्राउंड में कचरे की गाड़ियां खाली नहीं होगी अब देखना यह होगा कि ग्रामीणों के विरोध के बाद वह प्रशासनिक अम्ल के आश्वासन के बाद इस समस्या का क्या हाल होता है क्या नगर पालिका अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए यहां पर कचरा नष्ट करने वाली मशीन को लगाएगी या फिर इसी तरह लोगों को गुमराह कर उनके साथ छलावा करते हुए आश्वासन देते हुए अपना पुराना काम चालू रखते हैं दबे छुपे कचरे में आग लगाकर अज्ञात कारण बताकर धुएं से ग्रामीणों की जान के साथ खिलवाड़ करते हैं या नहीं यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

बच्चों में सकोरे वितरित कर जीवदया के प्रति करुणा भाव जागृत करने का अनूठा प्रयास

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन सोश्यल ग्रुप नागदा द्वारा जीवदया के क्षेत्र में रचनात्मक कार्य ग्रीष्म ऋतु में पक्षियों के संरक्षण हेतु अनेक प्रयास किए जाते रहे हैं लेकिन जैन सोश्यल ग्रुप नागदा द्वारा नव सृजन करते हुए बच्चों में जीवदया के प्रति अपने करुणा भाव को जागृत करने के उद्देश्य से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नागदा में सकोरे वितरण का अनोखा आयोजन रखा गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता जैन सोश्यल ग्रुप नागदा के अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम ने की । मुख्य अतिथि विद्यालय की प्राचार्या सुश्री प्रतिभा बोराल थी । वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में इस कार्यक्रम को बच्चों के प्रति संस्कार निर्माण की दिशा में सकारात्मक कदम बताया । सकोरे वितरण का लाभ प्रकाशचंद्र लुणावत सांवेर वाला परिवार ने लिया । लाभार्थी परिवार सतीश जैन सांवेर वाला और निलेश जैन सांवेर वाला का बहुमान ग्रुप द्वारा किया गया । कार्यक्रम का संचालन प्रशांत नाहर ने किया एवं आभार विद्यालय के क्रीड़ा शिक्षक कृष्णचंद्र पुरोहित ने माना । इस अवसर पर अरविंद नाहर, श्रेणिक बम, राजेश सकलेचा, अमित बम, मनोज वागरेचा, दीपक गांग, जितेन्द्र पोखरना, जितेश भण्डारी, विनय बोथरा आदि अनेक सदस्य, विद्यालय स्टाफ एवं बच्चे उपस्थित थे ।

बड़नगर पुलिस ने लौटाई चार परिवार मे खुशियाँ

गुम हुए 2 मोबाईल, 01 लैपटॉप व 20000/- रुपए नगद कुल कीमती 115000/- बरामद कर मालिकों को लौटाए

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। चोरी हुए मोबाइल को वापस पाकर उनके चेहरे पर मुस्कान लौट आई जब उन्हें पता चला कि उनके चोरी हुए मोबाइल पुलिस ने ढूंढ निकाले हैं और उन्हें वापस देने वाले दरअसल बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुम हुए 02 मोबाईल कीमती 45 हजार, 01 लेपटाप कीमती 50 हजार व 20000/- रुपए नगद बरामद कर उनके मालिकों को लौटाए ।

घटना का विवरण- जिला मुख्यालय द्वारा गुम एवं चोरी हुए मोबाईल को बरामद करने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत बड़नगर थाने पर मोबाईल व लैपटॉप गुम होने व मोबाईल के माध्यम से 20000/- रुपए का फ्रॉड होने के अलग-अलग आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे । थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार द्वारा आवेदन को प्राथमिकता के आधार पर लिया गया व तत्काल टीम गठीत की गई ।

सायबर सेल की मदद से खोए हुए 02 मोबाईल,01 लैपटॉप व 20000/- रुपए नगद बरामद कर उनके मालिकों ओमप्रकाश पिता हरिराम निवासी ग्राम अमला , विवेक जैन पिता शेखर जैन निवासी बड़नगर , सतीश पिता दल्लु प्रजापत निवासी भैसलाकला , मलखान सिंह पिता सवाईसिंह निवासी भिड़ावद न. 02 को लौटाए गए ।

सराहनीय भूमिका- निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार ,उनि सुरेन्द्र गरवाल ,उनि. हेमंत कटारे , प्रआर. रामनारायण चौहान ,आर.मनोहर मोहरी, रोहित मालवीय आर. राकेश निनामा, आर.स्वरुप हिरवे, मआर. ज्योति हाड़ा की सराहनीय भुमिका रहा ।

खाचरोद पोषण पखवाड़ा अंतर्गत विकास एवं जागरूकता सत्र का आयोजन

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरोद महिला एवं बाल विकास विभाग उज्जैन द्वारा संचालित पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत शनिवार को ग्राम दिवेल में विकास एवं जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं एवं समुदाय को स्वास्थ्य पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा के प्रति जागरूक करना रहा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मिशन नीव कार्यक्रम के जिला समन्वयक लोकेन्द्र तंवर ने बताया कि संयुक्त संचालक राजेश मेहरा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिलेभर में पोषण पखवाड़ा के दौरान विभिन्न थीम आधारित गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं इसी क्रम में खाचरोद परियोजना अंतर्गत ग्राम दिवेल में यह सत्र आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन परियोजना अधिकारी मनोज जाट के नेतृत्व में एवं पर्यवेक्षक सुनीता साहनी की उपस्थिति में किया गया सत्र के दौरान माँ-शिशु संवाद के माध्यम से माताओं को बच्चों के समग्र विकास सही पोषण एवं देखभाल के बारे में जानकारी दी गई साथ ही खेल-आधारित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में सीखने की प्रक्रिया भाषा विकास एवं मानसिक विकास को प्रोत्साहित करने के तरीकों का प्रदर्शन किया गया इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पोषण रंगोली एवं स्लोगन लेखन गतिविधियों का आयोजन कर समुदाय को पोषण के प्रति जागरूक किया गया पर्यवेक्षक सुनीता साहनी ने अपने संबोधन में कहा कि समुदाय की सक्रिय भागीदारी से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से हम बच्चों और माताओं तक सही पोषण और शिक्षा की जानकारी लगातार पहुंचा रहे हैं वहीं जिला समन्वयक लोकेन्द्र तंवर ने कहा कि पोषण पखवाड़ा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है यदि हम शुरुआती वर्षों में बच्चों के पोषण और विकास पर ध्यान दें तो उनका भविष्य बेहतर बनाया जा सकता है कार्यक्रम में शिक्षकगण आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिले में कृषिगत क्षेत्र के टिकाऊ विकास में जल संवर्धन और कृषिगत उद्यमिता की विशेष भूमिका

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के नवागत कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में कृषि एवं संबद्ध विभागों की बैठक कार्यालय कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले की भौगोलिक परिस्थिति एवं कृषि के लिए आवश्यक संसाधन तथा जिले आधारभूत जानकारी से अवगत होते हुए उपस्थित कृषि एवं संबद्ध विभागों के जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागों में संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु एक निश्चित रणनीति तैयार करे ताकि समय सीमा में प्रदत्त लक्ष्यों की पूर्ति की जा सके। शासन की कृषक कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का मैदानी स्तर तक प्रचार-प्रसार सघन रूप से किया जाए ताकि जिले के सीमांत एवं छोटे कृषकों को स्वावलम्बी बनाया जा सके।

बैठक के दौरान जिले के किसानों को नवीन और उन्नत तकनीक के साथ नवाचारो से लाभान्वित करने पर जोर दिया गया।

एआई की नजर में रहेगा सिंहस्थ मेला क्षेत्र, सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर प्रशासन सख्त

ईओडब्ल्यू के स्पेशल डीजी उपेन्द्र जैन का मेला क्षेत्र निरीक्षण, समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण काम और हाईटेक निगरानी के निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारियों ने अब रफ्तार पकड़ ली है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि इस बार मेला सिर्फ आस्था का नहीं, बल्कि तकनीक और सुरक्षा का भी बड़ा उदाहरण बनेगा। शनिवार को विशेष पुलिस महानिदेशक (ईओडब्ल्यू) उपेन्द्र जैन ने मेला क्षेत्र का दौरा कर व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत परखी और अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। स्पेशल डीजी जैन ने दो टूक कहा कि सिंहस्थ को इस बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए हाईटेक बनाया जाएगा। सीसीटीवी कैमरों के साथ एआई तकनीक का इस्तेमाल कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी और भीड़ में छिपे संदिग्धों की पहचान आसान होगी।

संवेदनशील इलाकों पर कड़ी नजर, अतिरिक्त बल तैनात होगा- निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मेला क्षेत्र के संवेदनशील और अति संवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां विशेष पुलिस बल तैनात किया जाए। महिला सुरक्षा, लापता लोगों की खोज और अपराध नियंत्रण के लिए अलग रणनीति तैयार करने पर भी जोर दिया गया।

सड़क, पुल और घाटहर काम की गुणवत्ता पर फोकस- जैन ने निर्माणाधीन सड़कों, पुलों और घाटों का जायजा लिया। उन्होंने साफ कहा कि कोई भी काम जल्दबाजी में नहीं, बल्कि तय मानकों के अनुसार और समयसीमा में पूरा होना चाहिए। लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

ट्रैफिक प्लान होगा फुलप्रूफ, अलग होंगे इमरजेंसी रूट- संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक ट्रैफिक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं। डायवर्जन रूट, पार्किंग जोन और आपातकालीन वाहनों के लिए अलग मार्ग तय किए जाएंगे, ताकि मेले के दौरान यातायात व्यवस्था चरमराए नहीं।

टेंट सिटी में आग से सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता- अप्रैल-मई की गर्मी को देखते हुए टेंट सिटी और अस्थायी ढांचों में आग से सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। फायर ब्रिगेड को अलर्ट रखने, पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने और नियमित मॉक ड्रिल कराने के निर्देश दिए गए।

आपदा से निपटने के लिए तैयार रहें- निरीक्षण के दौरान एम्बुलेंस, मेडिकल टीम और रेस्क्यू यूनिट की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों से कहा गया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पहले से पूरी तैयारी रखें। इस दौरान एडीजी राकेश गुप्ता, मेला अधिकारी आशीष सिंह, डीआईजी नवनीत भसीन, कलेक्टर रोशन सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सिंहस्थ 2028 के कार्यों की अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे अक्षय शुरुआत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अक्षय मुहूर्त पर सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को नई गति देने वाले अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा पूर्ण हो चुके तीन कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम अनुसार मुख?यमंत्री डॉ. यादव पूर्वाह्न 11.30 बजे उज्जैन आगमन कर पुलिस लाईन स्थित हेलीपेड पर विश्रामगृह का लोकार्पण करेंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री हामूखेड़ी में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होंगे।

इसके बाद मुख्यमंत्री कार्तिक मेला ग्राउंड में सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री यहां विभि-?न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण करेंगे।

उल्लेखनीय है कि इन कार्यों से शहर की अधोसंरचना और मजबूत होगी। यातायात सुगम बनेगा, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और सिंहस्थ की भव्य तैयारियां समय से पहले पूरी हो सकेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कुल 156.23करोड़ रुपए के निम्नलिखित कार्यों का भूमिपूजन करेंगे।

1. हरसिद्धि पाल से रामघाट रोड चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य- 21.08 करोड़ रुपए।
2. गुदरी चौराहा से पानदरिबा कहारवाड़ी होते हुए हरसिद्धि पाल तक मार्ग चौड़ीकरण- 14.43 करोड़ रुपए।
3. बंबई वाले की धर्मशाला से दानी गेट तक मार्ग चौड़ीकरण- 13.52 करोड़ रुपए।
4. मकोडिया आम चौराहा से विराट नगर होते हुए कानीपुरा-तराना मार्ग तक सड़क निर्माण- 49.64 करोड़ रुपए।
5. अमृत 2.0 योजना अंतर्गत नीलगंगा सरोवर का कायाकल्प- 4.55 करोड़ रुपए।
6. अमृत 2.0 योजना अंतर्गत सोलह सागर झील (तालाब) का जीर्णोद्धार- 1.11 करोड़ रुपए।
7. मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना अंतर्गत कालिदास उद्यान का विकास कार्य- 1.59 करोड़ रुपए।
8. विक्रम कीर्ति संग्रहालय की आंतरिक साज-सज्जा, प्रदर्शनी डिस्प्ले एवं संरक्षण कार्य- 8.55 करोड़ रुपए।
9. महाकाल लोक में पैदल यात्री मार्ग पर फेब्रिक शेड स्ट्रक्चर लगाने का कार्य- 13.30 करोड़ रुपए।
10. विक्रम कीर्ति मंदिर सभागार, बांगड़ भवन परिसर आदि का जीर्णोद्धार, संरक्षण एवं नवनिर्माण कार्य – 7.73 करोड़ रुपए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत 20.73 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण कार्यों का लोकार्पण भी किया जाएगा।

आयशर से टकराया ट्रक, बाइक चालक की हुई मौत

इंदौर रोड पर दर्दनाक हादसा, काम पर जा रहा था मृतक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर रोड पर शनिवार सुबह दर्दनाक हादसा हुआ खड़ी आयशर से ट्रक टकरा गया और पलटी खा गया, घटना में बाइक सवार की दबने से मौत हो गई आयशर चालक घायल हो गया। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला था।

नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के पंथपिपलाई में रहने वाला रमेश उर्फ गुड्डू पिता बृजलाल श्रीवास्तव 53 वर्ष मिस्त्री का काम करता था सुबह अपनी साइट पर जाने के लिए बाइक से निकला था लेकिन पेट्रोल कम होने पर वह पंप पर भराने पहुंच गया। जहां से वह मार्ग की की दूसरी दिशा में जाने के लिए आगे बढ़ रहा था इस दौरान सामने से ट्रक आता दिखाई दिया चालक ने बाइक सवार को बचाने की कोशिश की लेकिन किनारे पर खड़ी गैस एजेंसी की आयशर से टकरा गया हादसे में ट्रक और आयशर दोनों पलट गए साइड से निकल रहा बाइक सवार चपेट में आ गया उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक का चालक लोकेशन भाग निकला था घटना में आयशर चालक ओमप्रकाश पिता बाबूलाल पाटीदार निवासी नागझिरी दुर्घटना में गंभीर घायल है। ओमप्रकाश गैस एजेंसी की गाड़ी चलाता है और घटना के वक्त वो पेट्रोल पंप के पास खाली गाड़ी लेकर खड़ा था और गाड़ी के कांच साफ कर रहा था। मामले में नानाखेड़ा थाना पुलिस ने मर्ग कायम करने के साथ ट्रक चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

एक सप्ताह में 3 डिग्री बढ़ा पारा... दूसरी बार 40 डिग्री पार

दिन में तेज धूप और गर्म हवाएं झुलसाने लगीं, सूरज ढलने के बाद भी चल रहीं गर्म हवाएं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। कल साल में दूसरी बार दिन का पारा बढ़ता हुआ 40 डिग्री के आगे निकल गया। यह इस सीजन का सबसे ज्यादा तापमान था। खास बात यह है कि पिछले 8 दिनों में ही दिन के तापमान में 3 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। दिन में तेज गर्मी और गर्म हवाओं के कारण बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है, वहीं सूरज ढलने के बाद भी हवाओं में गर्माहट महसूस हो रही है।

वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री और परसों की अपेक्षा 0.2 डिग्री ज्यादा था। पिछले दिनों से तुलना करें तो 12 अप्रैल को जहां दिन का पारा 38.5 डिग्री पर था, वहीं कल यह बढ्कर 40.5 डिग्री पर पहुंच गया, यानी 8 ही दिनों में तापमान में 3 डिग्री का उछाल दर्ज किया गया है, वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 19 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री और कल की अपेक्षा भी 1 डिग्री ज्यादा था। इस दौरान हवाओं की दिशा पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी रही और अधिकतम रफ्तार 10 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची।

एक नजर बढ़ते पारे पर....

तारीख	तापमान
12 अप्रैल	38.5
13 अप्रैल	39.0
14 अप्रैल	39.5
15 अप्रैल	39.7
16 अप्रैल	40.7
17 अप्रैल	40.5

(जानकारी वेधशाला के अनुसार, तापमान डिग्री सेल्सियस में)

20 तक प्रदेश के कई जिलों में बारिश की संभावना - भोपाल मौसम केंद्र द्वारा कल प्रदेश के सभी जिलों का अगले 5 दिनों का पूर्वानुमान जारी किया गया। इसमें 20 अप्रैल तक प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। इसमें इंदौर से लगे खरगोन और उज्जैन जिलों का नाम भी शामिल है। इसके प्रभाव से इंदौर में भी अगले कुछ दिन बादल देखने को मिलेंगे। इससे दिन के तापमान में मामूली कमी आ सकती है। हालांकि रात का तापमान और तेजी से बढ़ेगा। यानी आने वाले समय में गर्मी से राहत की कोई उम्मीद नहीं है।

सड़क किनारे वाहनों की पार्किंग से जाम

यातायात पुलिस का 4 नई क्रेन खरीदने का प्रस्ताव भोपाल में विचाराधीन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी उज्जैन में महाकाल लोक के शुभारंभ के बाद से शहर में लोगों तथा वाहनों की भीड़ लगातार बढ़ी है। महाकाल लोक के शुभारंभ को भी अब 3 वर्ष हो गए हैं। उस दौरान पुलिस विभाग ने यातायात व्यवस्था के लिए 4 नई क्रेन खरीदने का प्रस्ताव भोपाल मुख्यालय को भेजा था। इस पर अभी तक मंजूरी नहीं मिली है।

उल्लेखनीय है कि महाकाल की नगरी उज्जैन मंदिरों की नगरी है। यहां कई प्रमुख मंदिर, देवालय तथा बाजार संकरे मार्गों पर है। इन मार्गों पर अक्सर सडक़ किनारे वाहनों की पार्किंग के बाद आवागमन का स्थान नहीं बचता। पिछले दो दशक से उज्जैन में यातायात पुलिस के पास इस पर नियंत्रण हेतु 4 पुरानी क्रेन है। वह भी नगर निगम ने ठेके पर ले रखी है। यह क्रेन ऐसी है जो अधिक भार सहन करने लायक भी नहीं बची है। यातायात पुलिस ने मिली जानकारी के मुताबिक लगभग 3 साल पहले भोपाल मुख्यालय को 4 नई क्रेन भेजने का प्रस्ताव दिया गया था। वहां से अभी तक इसकी मंजूरी नहीं मिली है। यही कारण है कि शहर में अभी भी भंगार हो चुकी पुरानी क्रेन से यातायात सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। इधर गोपाल मंदिर, सराफा, सती गेट, गुदरी क्षेत्र, नई सडक़ क्षेत्र में कई दुकानदार अपना सामान भी सडक़ों पर जमा रहे हैं और वाहनों की पार्किंग भी हो रही है। इसके कारण आधी सडक़ रुकने से जाम लगता रहता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शिप्रा नदी के त्रिवेणी घाट पर हुई व्यापक सफाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शनिवार को त्रिवेणी घाट (शनि मंदिर) पर जनपद उज्जैन एवं समस्त संबंधित ग्राम पंचायतों द्वारा विशेष सफाई अभियान आयोजित किया गया। इस सफाई कार्य में जनपद उज्जैन के अधिकारियों के साथ-साथ डेंडिया, राघोपिपलिया और सिंकदरी ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव तथा ग्रामीणों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। पंचायतों द्वारा ट्रैक्टर एवं अन्य आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था कर सफाई को प्रभावी बनाया गया। घाट क्षेत्र से कचरा, प्लास्टिक व अन्य गंदगी हटाकर नदी तट को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया गया। उल्लेखनीय है कि यह अभियान शिप्रा नदी व अन्य प्रमुख जल स्त्रोतोंकी पवित्रता एवं पर्यावरण संरक्षण को बनाए रखने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह के मार्गदर्शन में जन सहभागिता से ऐसे कार्य न केवल नदी संरक्षण में सहायक सिद्ध हो रहे हैं, बल्कि जल संवर्धन की भावना को भी मजबूत कर रहे हैं। जिला प्रशासन सभी नागरिकों से अपील करता है कि वे भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करें, नदी घाटों को स्वच्छ रखें और प्लास्टिक का उपयोग कम करें।

महाकाल दरबार में पहुंचे उपमुख्यमंत्री देवड़ा और एसीएस दुबे

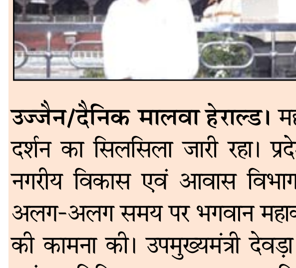

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार को वीआईपी दर्शन का सिलसिला जारी रहा। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा तथा नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने अलग-अलग समय पर भगवान महाकाल के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। उपमुख्यमंत्री देवड़ा के मंदिर पहुंचने पर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा उनका सत्कार किया गया। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। वहीं, अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने भी महाकालेश्वर भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मंदिर प्रबंध समिति की ओर से प्रशासक प्रथम कौशिक ने उनका स्वागत किया। मंदिर परिसर में वीआईपी दर्शन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी रही।

आज होगा 112 जोड़ों का सामूहिक विवाह.. सीएम होंगे शामिल

कार्तिक मेला मैदान में जीरो वेस्ट इवेंट थीम पर होगा कार्यक्रम आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अक्षय तृतीया पर शहर में आज मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 112 जोड़ों के सामूहिक विवाह का बड़ा समारोह कार्तिक मेला मैदान में होगा और इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। यह आयोजन जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में होगा। बीती रात आयोजन स्थल का दौरा करने कलेक्टर और अन्य अधिकारी पहुंचे।

अक्षय तृतीया के अवसर पर आज रविवार को होने जा रहे इस मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के आयोजन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। देर रात कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा और जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट ने अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मंच, बैठक व्यवस्था, पेयजल, बिजली, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा और जरूरी निर्देश दिए। इस बार सामूहिक विवाह में कुल 112 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। इनमें 100 जोड़े हिंदू रीति-रिवाज से विवाह करेंगे, जबकि 12 जोड़ों का निकाह कराया जाएगा। शासन की ओर से सभी नवविवाहित जोड़ों को 49 हजार रुपए की सहायता राशि का चेक प्रदान किया जाएगा। खास बात यह है कि पूरा आयोजन जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में आयोजित किया जाएगा। स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया जाएगा और कचरा प्रबंधन की विशेष व्यवस्था रहेगी। प्रशासन का दावा है कि आयोजन को व्यवस्थित और यादगार बनाने के लिए हर स्तर पर तैयारी पूरी कर ली गई है।

सिंहस्थ के पहले होमगार्ड और सिविल डिफेंस वॉलेन्टियर्स को प्रशिक्षण देकर तैयार करें - अपर मुख्य सचिव श्री दुबे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 के लिए विभिन्न विभागों द्वारा तैयार की गई अस्थाई प्रकृति कार्यों की कार्य योजना की समीक्षा नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे द्वारा की गई। अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ के दौरान घाटों, मेला क्षेत्र, पार्किंग आदि स्थानों पर तैनात होने वाले होमगार्ड और सिविल डिफेंस वॉलेन्टियर्स को सिंहस्थ के पहले ही प्रशिक्षण देकर मेला क्षेत्र व शिप्रा घाट क्षेत्र से अवगत करा दें। प्रशिक्षण लेने वाले सभी जवानों को प्रशिक्षण वाले स्थानों पर ही तैनात किया जाए। बैठक में संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे।

शनिवार को अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल स्थित कलेक्टर सभागार में विभिन्न विभागों द्वारा सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत अस्थाई प्रकृति के कार्यों की कार्य योजना की समीक्षा की।

रिश्तेदार ने साथी के साथ मिलकर चाकू से काटा था युवक का गला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिद्पुर में हुई युवक की हत्या में रिश्तेदार और उसका दोस्त शामिल होना सामने आया है। पुलिस ने कुछ घंटे में ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया। मृतक और हत्या करने वालों ने साथ में शराब पी थी। गली गलौज करने पर चाकू से गला काट दिया था। महिद्पुर थाना क्षेत्र के सेमलिया रोड पीली खाई जंगल में शुक्रवार सुबह एक युवक की लाश पुलिस ने ग्रामीणों की सूचना पर बरामद की थी। युवक का गला रेता गया था, मामला हत्या का होने पर पुलिस ने घटना स्थल पर गंभीरता से जांच की मृतक की बाइक भी कुछ दूरी पर खड़ी मिली घटना स्थल पर शराब पीने की पुष्टि हुई। कुछ देर में ही मृतक की पहचान बालाराम उर्फ बालेश्वर पिता शंकर लाल गुजराती 38 साल निवासी ग्राम रतनगढ़ सेमलिया के रूप में हो गई। परिजनों ने बताया कि गुरुवार शाम को निपानिया जाने के लिए निकला था। पुलिस ने मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज किया और मृतक का पोस्टमार्टम करने के बाद हत्या करने वालों की तलाश शुरू की कुछ घंटे में ही मृतक के साडू बद्रीलाल पिता उम्पा ग्राम खामरिया और उसके दोस्त दयाराम पिता नानुराम भीमपुरा महिद्पुर को हिरासत में ले लिया गया दोनों से पूछताछ में हत्या का खुलासा हो गया। शराब पीने के दौरान हुई गाली गलौज के चलते हत्या की गई थी। महिद्पुर थाना पुलिस के अनुसार मामले में दोनों आरोपियों से पूछताछ कर हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है शनिवार दोपहर बाद न्यायालय में पेश किया गया।

विश्व विरासत दिवस पर त्रिवेणी संग्रहालय में आयोजित विशेष म्यूजियम वॉक आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व विरासत दिवस के अवसर पर त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय, में एक विशेष म्यूजियम वॉक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 60 प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

विश्व विरासत दिवस प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1982 में अंतरराष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल परिषद (ढ्ढष्टह्ररूस्) द्वारा की गई थी, जिसे बाद में यूनेस्को ने भी मान्यता प्रदान की। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विश्व की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनके महत्व को जन-जन तक पहुँचाना है।

कार्यक्रम के दौरान संग्रहालय के क्यूरेटर श्री योगेश पाल तथा श्री आदित्य चौरसिया ने प्रतिभागियों को संग्रहालय की विभिन्न दीर्घाओं, दुर्लभ प्रतिमाओं, पेंटिंग्स तथा कला प्रदर्शों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने संग्रहालय की स्थापना, उसके ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व तथा वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर भी प्रकाश डाला।

40 डिग्री की तपिश में 'खाकी के साथी' को राहत

उज्जैन पुलिस लाइन में घोड़ों-डॉग के लिए लगाए कूलर-स्प्रिंकलर, एसी गाड़ियों में सफर-डाइट में भी किया बदलाव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन में भीषण गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचते ही जनजीवन बेहाल हो गया है। हालात ऐसे हैं कि इंसानों के साथ-साथ जानवरों को भी गर्मी से बचाने के लिए विशेष इंतजाम करने पड़ रहे हैं। इसी कड़ी में पुलिस विभाग ने अपने खाकी के साथी (घोड़ों और डॉग स्क्वाड) की देखभाल के लिए हाईटेक और राहत भरे इंतजाम किए हैं।

धार्मिक नगरी उज्जैन में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है।देवास रोड स्थित पुलिस लाइन में घोड़ों और डॉग के लिए कूलर, पंखे और स्प्रिंकलर लगाए गए हैं। जहां ये रहते हैं, उस पूरे परिसर को ठंडा बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि लू और गर्म सतह का असर उन पर न पड़े।

कूलर-पंखों के बीच रह रहे 14 घोड़े और 4 डॉग- पुलिस लाइन में मौजूद 14 घोड़े और 4 डॉग को गर्मी से बचाने के लिए हर संभव उपाय किए जा रहे हैं। उनके रहने की जगह पर लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है। स्प्रिंकलर सिस्टम से वातावरण ठंडा रखा जा रहा है, वहीं कूलर और पंखे दिनभर चलते रहते हैं।

ड्यूटी पर भी राहत, एसी गाड़ियों में भेजे जा रहे डॉग - महत्वपूर्ण ड्यूटी–जैसे महाकाल मंदिर और रेलवे स्टेशन की सुरक्षा जांच के लिए डॉग स्क्वाड को अब सिर्फ एयर कंडीशनर गाड़ियों में ही भेजा जा रहा है। इससे उन्हें तेज धूप और गर्म हवा से राहत मिल रही है।

खान-पान में बदलाव, सेहत पर खास नजर- पुलिस लाइन में भीषण गर्मी को देखते हुए जानवरों की डाइट में भी बदलाव किया गया है। घोड़ों को गुड़, छाछ, हरी घास और चापड़ा दिया जा रहा है तथा ठंडे पानी के फव्वारों की व्यवस्था की गई है। डॉग के लिए मीट पूरी तरह बंद कर दिया गया है। इसके स्थान पर- उन्हें हल्का और ठंडा आहार मुख्यतः दूध दिया जा रहा है।

पुलिस लाइन के आरआई रंजीत सिंह के अनुसार, 12 सदस्यीय टीम इन जानवरों की देखभाल में लगी है। टीम सफाई, भोजन, दवाइयों और नियमित मेडिकल चेकअप तक हर पहलू पर नजर रख रही है।

दिन में तपिश, रात में थोड़ी राहत- हालांकि दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है, लेकिन रात के तापमान में गिरावट आई है। दो दिन पहले तक न्यूनतम तापमान 23 डिग्री था, जो अब घटकर 19 डिग्री तक पहुंच गया है। इससे रात में थोड़ी राहत जरूर मिल रही है, लेकिन दिन की झुलसाती गर्मी अब भी लोगों के लिए चुनौती बनी हुई है।

बेगमबाग में मिस्त्री को गैरेज संचालक ने मारे चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में बेगमबाग स्थित तकिया मस्जिद क्षेत्र में रहने मिस्त्री इमरान पिता आबिद खान 40 साल को गैरेज संचालक मोहम्मद अमन ने चाकू मार कर घायल कर दिया पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू की गई है घायल का उपचार अस्पताल में चल रहा है। घायल इमरान ने बताया कि वह मिस्त्री का काम करता है कुछ समय पहले मोहम्मद अमन के घर का काम किया था जिसकी मजदूरी 12 हजार रुपये हुई थी अमन ने रुपए नहीं दिए थे, जिसके बदले में उसने अपनी बाइक का काम अमन के गैरेज पर कराया। कम होने के बाद अमन ने 10 हजार का बिल बना दिया। वह अपनी बाइक लेकर चला गया लेकिन दूसरे दिन ही बाइक फिर से खराब हो गई रात में वह बाइक लेकर अमन के पास पहुंचा और पूछा कि 10 हजार में ऐसा क्या काम बाइक में किया जो फिर से खराब हो गई इसी बात पर अमन ने विवाद शुरू कर दिया और चाकू से हमला किया। मामले में महाकाल थाना पुलिस का कहना था कि घायल के बयान दर्ज कर जांच शुरू की गई है आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जाएगी। तराना तहसील में रहने वाले बाबूलाल पिता बालचंद को घायल हालत में बीती रात उपचार के लिए उज्जैन चरक अस्पताल लाया गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

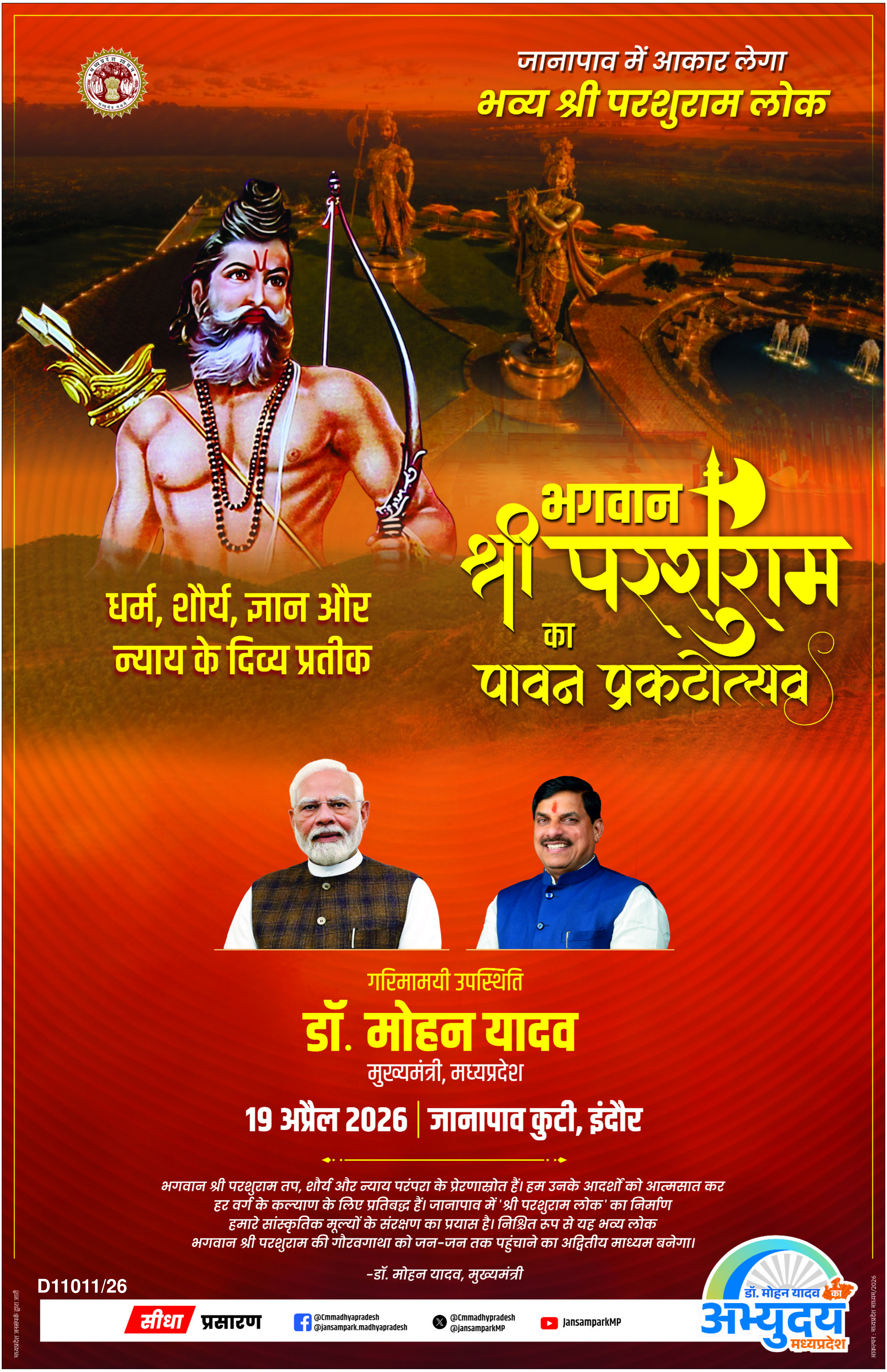
जानापाव में आकार लेगा
भव्य श्री परशुराम लोक
धर्म, शौर्य, ज्ञान और
न्याय के दिव्य प्रतीक
भगवान
श्री परशुराम
का
पावन प्रकटोत्सव
गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
19 अप्रैल 2026 | जानापाव कुटी, इंदौर
भगवान श्री परशुराम तप, शौर्य और न्याय परंपरा के प्रेरणास्रोत हैं। हम उनके आदर्शों को आत्मसात कर
हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। जानापाव में 'श्री परशुराम लोक' का निर्माण
हमारे सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का प्रयास है। निश्चित रूप से यह भव्य लोक
भगवान श्री परशुराम की गौरवगाथा को जन-जन तक पहुंचाने का अद्वितीय माध्यम बनेगा।
-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
D11011/26
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
डॉ. मोहन यादव का
अभ्युदय
मध्यप्रदेश
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026